दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 298 ■ दमण, गुरुवार 21 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल ने दीव में अनेक विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दीव 20 अगस्त।

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल दीव के दौरे पर है। दौरे के दूसरे दिन आज प्रशासक प्रफुल पटेल ने दीव शहर और इसके आस-पास चल रही विभिन्न परियोजनाओं का स्थल पर निरीक्षण किया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने आज जलंधर के पास स्थित गेटवे होटल के सामने समर हाउस, चन्द्रिका माता सर्कल, जलंधर चक्रतीर्थ सड़क, आईएनएस खुकरी मेमोरियल सर्किल, खुकरी स्थित म्यूजियम, गंगेश्वर ट्राई जंक्शन के पास सड़क एवं पार्किंग जंक्शन, गंगेश्वर मंदिर परिसर एवं निर्माण, चर्च प्लाजा, नेहरू पार्क के पास पोर्टुगीज स्ट्रीट, सैंट पॉल चर्च, दीव फोर्ट हाउस, निर्माणाधीन सेवा सदन, आईएनएस खुकरी शिप परिसर, दीव सिटी में स्थित निर्माणाधीन बस स्टैंड, घोघला एंट्री गेट, घोघला इंटरनल स्ट्रीट, केबलकार साईट घोघला रोड, केबल कार पीसीसी वर्क, एमडीआर, ओडीआर, कोहिनूर सर्किल के पास एनएच वर्क तथा नायडा केव्स का दौराकर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल ने सभी अधिकारियों एवं ठेकेदारों को सारे विकास कार्यों को सर्वोत्तम एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के समग्र विकास हेतु दीव में अनेक विकास परियोजनाओं पर कार्य जारी है। संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के सर्वांगीण विकास को समर्पित प्रशासक प्रफुल पटेल समस्त विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समीक्षा सुनिश्चित करने हेतु दीव दौरे पर हैं।

दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने 34 साल पुरानी इलेक्शन नहीं सिलेक्शन की परंपरा को निभाया

खचाखच उद्योगपतियों से भरे हॉल में सर्वसम्मति से डीआईए के प्रेसिडेंट चुने गये पवन अग्रवाल

■ डीआईए प्रेसिडेंट के दावेदार सत्येन्द्र कुमार और आर. के. शुक्ला ने दावेदारी वापस ले ली थी ■ आर. के. शुक्ला और मनोज नंदानिया को डीआईए वाइस प्रेसिडेंट, हरीश पटेल को सेक्रेटरी, विनीत भार्गव को जॉइंट सेक्रेटरी और पी. के. सिंह को ट्रेजरर की जिम्मेदारीः आर. के. कुंदनानी को एडवाइजर बनाया गया है ■ एक्जीक्यूटिव कमेटी मेम्बर में गौरव चौधरी, सुहास सुशीलेन्द्र, राजीव गौतम, छोटू पटेल, पीजूष बर्मन, फाल्गुनी पटेल, श्यामराजा शेट्टी, जिनेंद्र बोथरा, खुशमन ढीमर को शामिल किया गया है, जबकि विशेष आमंत्रित कमेटी मेम्बर में डॉ. बिजल कापडिया और शरद पुरोहित को स्थान दिया गया है ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने पिछले नौ सालों में संघ प्रदेश थ्रीडी में चौमुखी विकास किया है और उद्योगजगत के लिए अनुकूल माहौल बनाया हैः डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 अगस्त। दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने 34 साल पुरानी परंपरा इलेक्शन नहीं सिलेक्शन को कायम रखते हुए डीआईए प्रेसिडेंट एवं पदाधिकारियों तथा कमेटी मेम्बरों की सर्वसम्मति से नियुक्ति कर दी गई है। डीआईए प्रेसिडेंट के रुप में पवन अग्रवाल को सर्वसम्मति से चुना गया। इसके साथ ही आर. के. शुक्ला और मनोज नंदानिया को डीआईए वाइस प्रेसिडेंट, हरीश पटेल को सेक्रेटरी, विनीत भार्गव को जॉइंट सेक्रेटरी और पी. के. सिंह को ट्रेजरर की जिम्मेदारी दी गई है। आर. के. कुंदनानी को एडवाइजर बनाया गया है। साथ ही एक्जीक्यूटिव कमेटी मेम्बर में गौरव चौधरी, सुहास सुशीलेन्द्र, राजीव गौतम, छोटू पटेल, पीजूष बर्मन, फाल्गुनी पटेल, श्यामराजा शेट्टी, जिनेंद्र बोथरा, खुशमन ढीमर को शामिल किया गया है। जबकि विशेष आमंत्रित कमेटी मेम्बर में डॉ. बिजल कापडिया और शरद पुरोहित को स्थान दिया गया है। डीआईए के नये प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल एवं पूरी टीम का उद्योगपतियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। गौरतलब है कि डीआईए प्रेसिडेंट के लिए तीन लोगों ने दावेदारी की थी। लेकिन आज डीआईए प्रेसिडेंट के दावेदार सत्येन्द्र कुमार और आर. के. शुक्ला ने अपनी-अपनी दावेदारी वापस ले ली थी और डीआईए प्रेसिडेंट के लिए पवन अग्रवाल को समर्थन जारी किया था। जिसके बाद डीआईए के चुनाव अधिकारी विनय सिंह ने सर्वसम्मति से डीआईए प्रेसिडेंट के रुप में पवन अग्रवाल का चयन किया। डीआईए प्रेसिडेंट नियुक्त होने के बाद पवन अग्रवाल ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि डीआईए ने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए सर्वसम्मति से डीआईए प्रेसिडेंट की नियुक्ति की है। डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल ने कहा कि माननीय प्रशासक प्रफुल पटेल जी ने संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में चौमुखी विकास किया है। पिछले नौ सालों में उन्होंने हर क्षेत्र में अद्वितीय विकास किया है। उद्योगों के लिए उन्होंने अनुकूल माहौल बनाया है, आप उद्योगों के लिए रेड कारपेट बिछाना भी कह सकते है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को तैयार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ उद्योगों को दिलाने की दिशा में कार्य किया जायेगा। दमण में इन्वेस्ट कन्वेंशन सेंटर बनने जा रहा है, जो उद्योगों के लिए अत्यंत खुशी की बात है। मुंबई के बाद दमण उद्योगों को इन्वेस्ट के लिए आकर्षित करता है। यहा पर और अधिक उद्योग आयेंगे। डीआईए 3000 औद्योगिक इकाईयों का एक परिवार है, सभी लोग मिलकर इसका और विकास करेंगे। पवन अग्रवाल ने कहा कि आनेवाले दिनों में डीआईए मेम्बरशिप को 25 से 30 प्रतिशत बढाने का काम किया जायेगा।

पीएम मोदी द्वारा नियुक्त प्रशासक प्रफुल पटेल के संघ प्रदेश थ्रीडी में 9 साल पूरे होने पर भाजपा मनायेगा विकास उत्सव

■ संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया की अध्यक्षता में दमण स्थित भाजपा कार्यालय पर सरपंचों, जिला पंचायत सदस्यों, काउंसिलरों एवं पूर्व सांसद तथा जिला और मंडल के प्रमुखों की हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 20 अगस्त।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2016 में प्रफुल पटेल को संघ प्रदेश थ्रीडी के प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया था। प्रशासक प्रफुल पटेल के इसी महीने के अंत में शासन के 9 साल पूरे हो रहे है। संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव भारतीय जनता पार्टी पीएम मोदी द्वारा नियुक्त प्रशासक प्रफुल पटेल के संघ प्रदेश थ्रीडी में 9 साल पूरे होने पर विकास उत्सव मनाने जा रही है। इसी प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए आज दमण स्थित भाजपा कार्यालय पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की अध्यक्षता में चुने हुए जनप्रतिनिधियों, पूर्व सांसद, जिला और मंडल प्रमुखों की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने भाजपाईयों को पिछले 9 वर्ष में पीएम मोदी के मार्गदर्शन में प्रशासक प्रफुल पटेल द्वारा प्रदेश में किए गए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित के विकास को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में हमारे प्रदेश में जो अद्भुत विकास के साथ जनता को जो सुविधाएं उपलब्ध हुई है वह ऐतिहासिक है। भारतीय जनता पार्टी के सभी चुन हुए प्रतिनिधि एवं मंडल एवं जिला के प्रमुखों अपनी-अपनी टीम के साथ 9 साल के कार्यकाल को विकास उत्सव के रूप में मनाये। जगह-जगह बैनर लगाने से लेकर तिथि भोजन, गौ सेवा, फ्रूट वितरण, राशन किट वितरण सहित के सेवा कार्य भी करे। आज की इस बैठक में पूर्व सांसद लालू पटेल, भाजपा उपप्रमुख फाल्गुनी पटेल, भाजपा सचिव उर्वशी पटेल, दमण जिला भाजपा प्रमुख भरत पटेल, मीडिया संयोजक मजीद लधाणी, दमण शहर भाजपा प्रमुख पीयूष पटेल, जिला पंचायत सदस्यों में मैत्री पटेल, वर्षिका पटेल, सुनीता हलपति, रीना पटेल, सिंपल पटेल, सरपंचों में मुकेश गोसावी, शांतू पटेल, शंकर पटेल, उपसरपंच सतिष पटेल एवं मिलन पटेल, डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया, वाइस प्रेसिडेंट रश्मी हलपति, काउंसिलरों में तमन्ना खोजा, आशीष टंडेल एवं चंद्रगिरी टंडेल, गणेश भंडारी, महेन्द्र कामली, किरीट दमणिया, जिगर पटेल, धनसुख पटेल, अशोक पटेल, विक्रम हलपति सहित के भाजपाईयों की उपस्थिति रही।

चीन का दावा खारिज करते हुए बोला भारत, ताइवान पर नहीं बदला रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की व्यापक द्विपक्षीय बैठक के बाद चीन के विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में किए गए भारत के 'वन चाइना सिद्धांत (ताइवान को चीन का हिस्सा मानना)' को समर्थन देने के दावे को भारत ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर खारिज कर दिया है। जिसमें कहा गया है कि ताइवान को लेकर नई दिल्ली के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को चीन की तरफ से उठाया गया था। जिस पर भारत ने अपना पक्ष रखते हुए साफ तौर पर कहा कि ताइवान के मामले पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। बाकी दुनिया की तरह ही भारत-ताइवान के संबंध भी आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर आधारित हैं। जिन्हें वह आगे भी जारी रखने का इच्छुक है। बैठक में भारत ने पाया कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान को सहयोग प्रदान कर रहा है। चीन के विदेश मंत्री बीते 18 अगस्त से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर थे। वर्ष 2020 के मध्य में भारत-चीन के बीच हुए एलएसी विवाद की समाप्ति के बाद उनकी यह पहली भारत यात्रा है। जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा एनएसए अजीत डोभाल से भी मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी चीन के विदेश मंत्री ने शिष्टाचार भेंट की। बताते चलें कि चीन के उक्त दावे के बाद अंतरराष्ट्रीय हलकों में मामले पर कयासबाजी काफी तेज हो गई थी। जिसके पीछे की एक बड़ी वजह ताइवान जलडमरूमध्य को लेकर बनी हुई संवेदनशीलता भी है। वहीं, इन सबके बीच सूत्रों ने कहा कि भारत ने अतीत में हालांकि वन चीन नीति का समर्थन किया था। लेकिन यह किसी द्विपक्षीय दस्तावेज में शामिल नहीं है। भारत और ताइवान के बीच औपचारिक रूप से कोई राजनयिक संबंध भी नहीं हैं। लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध तेजी से परवान चढ़ रहे हैं। वर्ष 1995 में नई दिल्ली ने इंडिया-ताइपे एसोसिएशन (आईटीए) की ताइपे में स्थापना की गई थी। जिसका उद्देश्य दोनों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक मेल मिलाप यानी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। आईटीए को सभी वाणिज्यिक और पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने का भी अधिकार दिया गया है। समान वर्ष के दौरान ही ताइवान ने भी नई दिल्ली में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की थी। 2010 के बाद से भारत ने संयुक्त बयानों में भी वन चाइना शब्द का उल्लेख करने से परहेज किया है।

जनाक्रोश से सामने झुकी सैनी सरकार.... शिक्षिका मनीषा की मौत की जांच सीबीआई को सौंपी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायाब सैनी सरकार ने 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा की मौत के मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। यह फैसला व्यापक जनाक्रोश और पीड़ित परिवार की मांग के बाद लिया गया है। दरअसल 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा 11 अगस्त को लापता हुई थीं। उनका शव 13 अगस्त को भिवानी के एक खेत में मिला। पुलिस ने शुरुआत में दावा किया कि मनीषा ने जहर खाकर आत्महत्या की है। पुलिस को शव के पास एक सुसाइड नोट भी मिला था। मनीषा के पिता संजय ने पुलिस के निष्कर्ष को खारिज कर कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। उन्होंने न्याय की मांग कर शव का अंतिम संस्कार करने से भी मना किया था। इस मामले को लेकर भिवानी और आसपास के इलाकों में भारी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर दिया और सीबीआई जांच की मांग की। विपक्षी दलों ने भी मामले में हरियाणा सरकार की आलोचना कर कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पोस्ट में बताया कि परिवार की मांग के आधार पर यह मामला अब सीबीआई को सौंपा जा रहा है ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। इससे पहले, मंगलवार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भिवानी और चरखी दादरी जिलों में 48 घंटों के लिए मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था।

सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभी दवा की दुकानों में सीसीटीवी कैमरे को अनिवार्य किया गया है। दिल्ली के दक्षिणी जिला मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया है। राष्ट्रीय राजधानी की सभी फार्मेसी और मेडिकल शॉप में सीसीटीवी कैमरे को अनिवार्य किया गया है। न्यायालय द्वारा बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा दिए जाने पर तथा दवाओं की अवैध बिक्री पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी फुटेज को जिला ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी, उप मंडल मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा किसी भी समय निरीक्षण किया जा सकता है।आदेश का सख्ती से पालन हो, इसके लिए आदेश जारी किए गए हैं।

किसी महिला की तस्वीरें लेना...पीछा करने के अपराध की परिभाषा में नहीं आता

-हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने मामले में अग्रिम जमानत दी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी महिला की तस्वीरें लेना पीछा करने के अपराध की परिभाषा में नहीं आता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश राकेश कैंथला ने मामले में अग्रिम जमानत देकर कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 के तहत उस शख्स को दंडित कर सकते है, जो किसी महिला का पीछा करता है। परिभाषा के तहत दोष सिद्धि के लिए पीड़िता द्वारा स्पष्ट रूप से अरुचि के संकेत के बावजूद बार-बार व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने के लिए होना चाहिए। यदि किसी महिला द्वारा इंटरनेट, ईमेल या अन्य प्रकार के इलेक्ट्रानिक संचार के उपयोग की निगरानी का आरोप लगाया गया हो, तब भी यह दंडनीय अपराध है, लेकिन किसी की तस्वीरें लेना प्रथम दृष्टया में पीछा करने के अपराध की परिभाषा को पूरा नहीं करता है। हाई कोर्ट ने कहा कि शिकायत में आरोप यह नहीं दिखाते हैं कि आरोपित ने शिकायतकर्ता की पत्नी का पीछा किया था और व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने के लिए महिला से संपर्क किया था। एकमात्र आरोप यह है कि याचिकाकर्ता ने शिकायतकर्ता की पत्नी की तस्वीरें ली थीं। प्रथम दृष्टया में ये आरोप पीछा करने की परिभाषा को पूरा नहीं करते हैं। कोर्ट ने जमानत याचिका को स्वीकार कर कहा कि स्टेटस रिपोर्ट भी यह नहीं दिखाती है कि प्रार्थी से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसलिए प्रार्थी को हिरासत में रखने से कोई सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

कुत्ते पिटबुल के हमले में 55 वर्षीय करुणाकरण की मौत... कुत्ते ने उनके गुप्तांग को काट लिया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में विदेशी नस्ले के कुत्ते पिटबुल के हमले में 55 वर्षीय करुणाकरण की मृत्यु हुई है। यह घटना जाफरखानपेट इलाके की है, यहां एक पिटबुल कुत्ते ने करुणाकरण पर हमला किया। कुत्ते ने उनके गुप्तांग को काट लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त कुत्ता बिना पट्टे के था और उसकी मालकिन, जिसका नाम पूंगोडी है, कुत्ते को टहला रही थी। जब मालकिन ने करुणाकरण को बचाने की कोशिश की, तब कुत्ते ने उन्हें भी काट लिया, जिससे वह घायल हो गईं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद लापरवाही के आरोप में महिला को गिरफ्तार किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने कुत्ते को पकड़ लिया है। उन्होंने पहले भी महिला को कुत्ते को बिना पट्टे के टहलाने से मना किया था, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं सुनी। इस घटना के बाद चेन्नई नगर निगम ने सख्त रुख अपनाकर खतरनाक कुत्तों का मुंह बांधकर रखने का आदेश दिया है। इस मामले ने कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं को एक बार फिर से उजागर किया है, खासकर तब जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया है।

हरियाणा में साइबर अपराध के खिलाफ 91 बैंक शाखाओं पर एक्शन की तैयारी में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर प्रदेश की 91 बैंक शाखाओं की पहचान हुई है, यहां साइबर अपराधी कथित म्यूल अकाउंट के द्वारा भारी लेन-देन कर रहे हैं। इसमें गुरुग्राम की 26 और नूंह की 24 शाखाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दरअसल म्यूल अकाउंट ऐसा बैंक खाता होता है जिसका इस्तेमाल अपराधी अवैध धन को सफेद करने के लिए करते हैं। पुलिस के अनुसार, इन शाखाओं में बैंक केवाईसी नियमों की अनदेखी, खाते खोलने में प्रक्रियागत लापरवाही और बैंककर्मियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

धोखेबाज पाकिस्तान से संबंध सुधारने का कोई मतलब नहीं- शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद शशि थरूर ने कहा है कि पाकिस्तान धोखेबाज हैं और भारत को उससे संबंध सुधारने के प्रयास नहीं किए जाना चाहिए। एक पुस्तक विमोचन समारोह में थरूर ने कहा कि बार-बार विश्वासघात झेलने के बाद पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में पहला कदम उठाने की भारत में अब इच्छा नहीं है।

थरूर ने पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करके ईमानदारी दिखाने का आग्रह किया। थरूर ने कहा कि 2012 में आई उनकी किताब में कहा गया था कि अगर मुंबई जैसा एक और हमला हुआ, जिसमें पाकिस्तान के शामिल होने के सबूत मिले, तो 2008 में हमारी तरफ से दिखाया गया संयम दोबारा दिखाना असंभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों और छुट्टी मनाने गए मासूमों पर हुए हमले को कोई भी लोकतांत्रिक सरकार नहीं सहेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने हमलों के बाद काफी संयम दिखाया, लेकिन बाद में हुई उकसावे की कार्रवाई के बाद भारत के पास कोई रास्ता नहीं बचा और 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक्स की गईं और फिर ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उन्होंने कहा कि एक बार ऐसा ऐक्शन लिया गया, तो भारत भी कार्रवाई करेगा, लेकिन अब पहला कदम हम नहीं उठाएंगे। कांग्रेस सांसद ने 2008 मुंबई हमलों को लेकर कहा कि भारत ने पाकिस्तानी संलिप्तता के सबूत दिए थे, जिनमें लाइव इंटरसेप्ट्स और डोजियर शामिल थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी किसी मास्टरमाइंड के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

सीएसडीएस के खिलाफ एक्शन की तैयारी... कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के गलत आंकड़े पेश करने के मामले में अब सीएसडीएस यानी सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज पर एक्शन की तैयारी हैं। खबर है कि संस्था को इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। दरअसल सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार की ओर से बीते साल पेश किए गए आंकड़ों के बाद कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट फ्रॉड करने के आरोप लगाए थे। प्रोफेसर कुमार ने पहले कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच नासिक पश्चिम में मतदाताओं की संख्या में 47 प्रतिशत और हिंगना विधानसभा में 43 फीसदी का इजाफा हुआ था। उन्होंने दावा किया था कि रामटेक और देवलाली क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या क्रमशः 38 और 36 प्रतिशत गिर गई थी। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पोस्ट हटा लिया।

प्रोफेसर कुमार ने लिखा, महाराष्ट्र चुनाव के संबंध में किए गए पोस्ट को लेकर मैं माफी मांगता हूं। आंकड़े की तुलना करने में गलती हो गई थी। हमारी डेटा टीम की ओर से डेटा को ठीक से नहीं पढ़ा गया था। सोशल मीडिया पर से ट्वीट हटा लिया गया है। मेरा किसी भी प्रकार से गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था। आईसीएसएसआर के नोटिस में आया है कि आईसीएसएसआर फंडेड सीएसडीएस में जिम्मेदार पद पर बैठे एक व्यक्ति ने मीडिया में बयान दिए थे, जिन्हें महाराष्ट्र चुनाव के डेटा विश्लेषण का हवाला देकर वापस ले लिया गया था। इसके आगे संस्था ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे एसआईआर को लेकर पक्षपातपूर्ण मीडिया स्टोरीज प्रकाशित की। नोटिस में आगे कहा गया, आईसीएसएसआर भारती संविधान का सम्मान करता है। चुनाव आयोग उच्च संवैधानिक निकाय है, जो दशकों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव करा रहा है।

आईसीएसएसआर ने लिखा, आईसीएसएसआर ने सीएसडीएस की ओर से डेटा में की गई हेराफेरी और निर्वाचन आयोग की गरिमा को कम करने के इरादे से भ्रामक कहानी गढ़ने के प्रयास का संज्ञान गंभीरता से लिया है। यह आईसीएसएसआर के नियमों के खिलाफ है और संस्था को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा।

समस्याओं के निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा: शिवराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन, नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न पोर्टल और कॉल सेंटर पर आने वाली किसानों की शिकायतों की समीक्षा की।

इस बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि योजनाओं का निर्माण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उनका उचित कार्यान्वयन भी है। उन्होंने कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, उनका उचित निराकरण समय पर करने की व्यवस्था होनी चाहिए। व्यवस्था इतनी मजबूत होनी चाहिए कि जब किसान भाई-बहन इन पोर्टल्स के माध्यम से हमसे संपर्क करें, तब उन्हें भरोसा हो कि उनकी समस्याओं का निराकरण जरूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था यदि सही ढंग से नहीं चलती हो और खानापूर्ति मात्र रहे तो उसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो पाती, इसलिए व्यवस्था को और सरल तथा मजबूत करना होगा, ताकि हमारे किसान भाइयों-बहनों को इसका समुचित लाभ मिल सकें और उनका हर तरह से समाधान हो सकें। बैठक में किसानों की शिकायतों के सही निदान के तरीके और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने अधिकारियों से पी.एम. किसान पोर्टल, किसान ई-मित्र, किसान कॉल सेंटर सहित विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए मिल रही किसानों की समस्याओं की पूरी जानकारी ली और कहा कि अगले हफ्ते वे फिर से विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री इन शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। साथ ही, समय-समय पर किसानों से भी बात करके जानेंगे कि उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है या नहीं, ताकि वे पूरी तरह से संतुष्ट हो। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिसके बेहद सकारात्मक परिणाम मिले थे। समस्याओं के तत्काल और उचित निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की संतुष्टि ही हमारा मुख्य ध्येय है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने संदेश जारी करते हुए किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान भाइयों-बहनों से अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 18001801551 के जरिए रजिस्टर करवाने का आह्वान किया है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी भी शामिल हुए, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी देने के साथ ही अपने सुझाव भी दिए।

यह विधेयक कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट देता है : ओवैसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार के इस कदम को असंवैधानिक करार देकर भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है, यह विधेयक इस अधिकार के खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद औवेसी ने कहा कि यह विधेयक पूर्णता असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?... कुल मिलाकर, भाजपा सरकार विधेयकों के द्वारा हमारे देश को पुलिस राज बनाना चाहती है...हम इनका विरोध करने वाले हैं, भाजपा भूल रही है कि सत्ता शाश्वत नहीं होती। इस बीच, शाह बुधवार लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए। जिसमें संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 भी शामिल है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों से हिरासत में लिए गए केंद्रीय या राज्य मंत्री को हटाने का प्रावधान करता है।

राहुल गांधी और तेजस्वी पर गौरव वल्लभ का तंज... दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए

-दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2029 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री बनाने के ऐलान पर तंज कस दिया है। बीजेपी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी और तेजस्वी पर निशाना साधकर कहा कि दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे हैं। असल में दोनों के फ्यूज उड़े हुए हैं और बिना फ्यूज के मिसाइलें उड़ती नहीं हैं। बातें करने से कुछ भी हासिल नहीं होता है। भाजपा नेता ने दोनों नेताओं की योग्यता पर सवाल उठाकर वंशवाद को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

बता दें कि राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। उनकी यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव भी साथ हैं। यात्रा के दौरान नवादा में तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री बनाने की बात कही। उनके बयान पर अब भाजपा नेता ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, मैं दोनों को बताना चाहता हूं कि सिर्फ एक परिवार में पैदा होने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। मुख्य बात यह है कि इंदिरा-राजीव गांधी परिवार में पैदा होने के अलावा, आपकी योग्यताएं क्या हैं और राष्ट्र के प्रति आपका समर्पण क्या है? तेजस्वी की भी यही योग्यता है। दोनों एक-दूसरे का प्रचार करने में व्यस्त हैं।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्ष पर निशाना साधकर, वल्लभ ने संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखने के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में, अगर कोई उम्मीदवार नामित करता है, तब कोई समस्या नहीं है। हालांकि, मेरा मानना है कि कुछ संवैधानिक पद, जैसे अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति या राज्यसभा के सभापति, सर्वसम्मति से तय किए जाने चाहिए। लेकिन, विपक्ष इन पदों का भी राजनीतिकरण करना चाहता है।

मुंबई में तीसरे दिन भी जारी है भारी बारिश का दौर... स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में तेज बारिश का बुधवार को तीसरा दिन है। 24 घंटे में 300 एमएम बारिश हुई। लगातार तीसरे दिन मुंबई में स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद है। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा है।

मंगलवार शाम मुंबई में 2 मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू हुआ। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरेल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इसमें मौजूद 582 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से करीब 40-50 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किया गया।

इस घटना पर एमएमआरडी ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ था। रेल की मूल वजन क्षमता 104 टन है, जो मंगलवार को 109 टन हो गई थी। 5 टन ज्यादा वजन (यात्रियों का) हो गया था। वहीं, आचार्य अत्रे और वडाला मोनो रेल स्टेशन से भी 200 लोगों को निकाला गया था। मोनो रेल में सवार यात्री ने बताया कि बिजली और एसी बंद होने से डिब्बों में घुटन होने लगी थी। बाहर बारिश हो रही थी और अंधेरा बढ़ रहा था। सबसे डरावना पल तब था, जब ट्रेन खतरनाक ढंग से झुक गई थी, हम दुआ कर रहे थे कि जिंदा बाहर निकल जाएं।

मौसम विभाग ने महाराष्ट्र,गुजरात और गोवा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा तेलंगाना, बिहार में ऑरेंज अलर्ट और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड सहित 18 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मुंबई सिटी के अलावा उपनगर ठाणे, चंद्रपुर, रायगढ़ और रत्नागिरी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र में तेज बारिश होने की संभावना है।

कुल्लू में भारी बारिश से मची तबाही- 6 वाहन दबे, स्कूल-कॉलेज बंद, 356 सड़कों पर आवागमन ठप

शिमला/कुल्लू (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ से तबाही हो रही है। कुल्लू में सैकड़ों सड़के बंद है और शैक्षिक संस्थानों की भी छुट्टी करना पड़ी। करीब आधा दर्जन वाहन मलवे में दबे हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। कुल्लू शहर से दो किमी दूर शास्त्री नगर नाले में बीती रात को भारी बारिश के चलते करीब साढ़े 3 बजे अचानक फ्लैश फ्लड आ गया और तेज़ बारिश से आए इस सैलाब में नाले के किनारे खड़े 3 से 4 वाहन के अलावा दो बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। वहीं, मनाली और बंजार उपमंडल में भारी बारिश के चलते स्कूल-कॉलेज को बंद करने के आदेश दिए गए हैं। उधर, ऊना जिले के अंब और गगरेट में भी शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया है और बुधवार को यहां पर छुट्टी रहेगी।

फ्लैश फ्लड का मलबा नाले के आसपास बने कुछ मकानों में भी घुस गया, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिलेभर में रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे हालात चिंताजनक बने हुए हैं। दरअसल, चिकनई नाले में आधी रात को ऊपर पहाड़ पर अधिक बारिश होने की वजह से फ्लैश फ्लड आया। उधर, लैंडस्लाइड के चलते चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे बंद हो गया है। मंडी कटौला और कुल्लू वैक्लपिक मार्ग भी बंद है और इस वजह से अब कुल्लू और मनाली का संपर्क प्रदेश से कट गया है।

उधर, सुबह सुबह नगर परिषद से जुड़े लोग भी मौके पर पहुंचे। एक शख्स ने बताया कि शास्त्री नगर में रात को फ्लैश फ्लड आया था। उन्होंने कहा कि यहां पर ऊपर पहाड़ पर चिकनई गांव है और वहां पर बादल फटा है और इसी वजह से रात को नाले में फ्लड आ गया था। उन्होंने कहा कि लोग मिट्टी और कूड़ा नाले मे डंप कर रहे हैं और इस वजह से नाला ब्लॉक हो गया और फिर सड़क से होते हुए मलबा और पानी बहने लगा, जिससे कई गाड़ियां मलबे में दबी हैं। मंडी पुलिस ने बताया है कि जिले में लगातार भारी बारिश और कई स्थानों पर पत्थर गिरने की घटनाओं के चलते औट-पंडोह मार्ग पर यातायात पूरी तरह से रोक दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हालात सामान्य होने के बाद ही यातायात को बहाल किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि वैकल्पिक मार्ग कटौला-कमांद भी सड़क की खराब स्थिति के कारण बंद है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है और ऐसे में मंडी पुलिस ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, लेन अनुशासन का पालन करें और मौके पर तैनात पुलिस व फील्ड स्टाफ के निर्देशों का पालन करें।

चंबा में 2 घंटे में दो बार भूकंप

बुधवार सुबह तड़के हिमाचल के चंबा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए। महज़ दो घंटे के भीतर दो बार धरती हिली। पहला झटका सुबह 3:27 बजे 3.3 तीव्रता का आया, जबकि दूसरा झटका 4:39 बजे 4.0 तीव्रता का दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र धर्मशाला और चंबा के बीच रहा और इसकी गहराई

करीब 10 किलोमीटर जमीन के भीतर बताई जा रही है। गनीमत रही कि दोनों ही झटकों से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज लोक सभा में भारतीय संविधान विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, 2025, और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 प्रस्तुत किया

देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के विरुद्ध मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जनता के आक्रोश को देख कर लाया गया संवैधानिक संशोधन बिल : गृहमंत्री अमित शाह

■ महत्वपूर्ण संवैधानिक पद, जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जेल में रहते हुए सरकार नहीं चला सकेंगे : गृहमंत्री अमित शाह ■ इस बिल का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरते जा रहे नैतिकता के स्तर को ऊपर उठाना और राजनीति में शुचिता लाना है : गृहमंत्री अमित शाह ■ विगत कुछ वर्षों में, देश में ऐसी आश्चर्यजनक स्थिति उत्पन्न हुई कि मुख्यमंत्री या मंत्री बिना इस्तीफा दिए जेल से अनैतिक रूप से सरकार चलाते रहे : गृहमंत्री ■ देश की जनता को यह तय करना है कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री द्वारा सरकार चलाना उचित है ? : गृहमंत्री अमित शाह ■ एक ओर मोदी जी ने अपने आप को कानून के दायरे में लाने का संविधान संशोधन पेश किया है और दूसरी ओर कानून के दायरे से बाहर रहने और जेल से सरकारें चलाने के लिए पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया : अमित शाह ■ कांग्रेस की नीति है कि वे प्रधानमंत्री को संविधान संशोधन करके कानून से ऊपर करते हैं, जबकि भाजपा प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों को ही कानून के दायरे में ला रही है : गृहमंत्री अमित शाह ■ जिन लालू जी को बचाने के लिए काँग्रेस अध्यादेश लाई, जिसका राहुल गांधी ने विरोध किया, आज वही राहुल गांधी लालू जी को गले लगा रहे हैं, विपक्ष का यह दोहरा चरित्र जनता समझ चुकी है : गृहमंत्री अमित शाह ■ भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए, कांग्रेस के नेतृत्व में INDI गठबंधन ने जिस भद्दे व्यवहार से इस बिल का विरोध किया, उससे विपक्ष जनता के बीच पूरी तरह से expose हो गया है : गृहमंत्री अमित शाह

(पीआईबी) नई दिल्ली 20 अगस्त। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर उनके द्वारा पेश किए जेल जाने वाले नेता को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या केन्द्र और राज्य सरकार में मंत्री जैसे अहम पदों से हटाने वाले बिल का विरोध करने पर कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष के दोहरे चरित्र का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी ने अपने आप को कानून के दायरे में आने से बचाने के लिए संविधान में संशोधन लाया था और कांग्रेस उसी संस्कृति को आगे बढ़ाना चाहती है। जहां कांग्रेस की कार्यसंस्कृति और नीति प्रधानमंत्री को कानून से ऊपर रखने की रही है, वहीं भाजपा की नीति अपने प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को कानून के दायरे में लाने की है। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार की राजनीति में नैतिक मानकों को बहाल करने की प्रतिबद्धता और जनता में इस समस्या को लेकर गुस्से को देखते हुए, आज मैंने लोकसभा अध्यक्ष की अनुमति से ऐसे संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किए हैं जिनसे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी व्यक्ति जेल में रहते हुए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या केंद्र और राज्य सरकार में मंत्री जैसे अहम संवैधानिक पदों पर कार्य नहीं कर सकेगा। इन विधेयकों का उद्देश्य गिरते नैतिक मानकों को सुधारना और राजनीति में शुचिता बनाए रखना है। इन तीनों बिल से जो कानून अस्तित्व में आएगा, वह यह है कि: कोई भी व्यक्ति अगर गिरफ्तार होकर जेल में है, तो वह प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या केंद्र/राज्य सरकार में मंत्री नहीं रह सकेगा। जब संविधान बना था, तब उसके निर्माताओं ने यह कल्पना भी नहीं की होगी कि भविष्य में कुछ नेता गिरफ्तारी के बाद भी नैतिक आधार पर इस्तीफा देने से इनकार करेंगे। हाल के वर्षों में देश ने देखा है कि कैसे कुछ मुख्यमंत्री या मंत्री जेल से ही सरकार चलाते रहे हैं। विधेयक में यह भी प्रावधान है कि अगर कोई नेता गिरफ्तार होता है, तो उसे 30 दिनों के भीतर जमानत लेने का समय दिया जायेगा। यदि 30 दिन में जमानत नहीं मिली, तो 31वें दिन प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को उसे पद से हटाना होगा, अन्यथा वह स्वतः ही अयोग्य हो जाएगा। हालांकि, अगर बाद में विधिक प्रक्रिया से जमानत मिल जाती है तो उसे फिर से पद पर बहाल किया जा सकता है। अब सवाल देश की जनता के सामने है कि क्या किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के लिए जेल से सरकार चलाना उचित है?

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एक तरफ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने खुद को कानून के दायरे में लाने के लिए संवैधानिक संशोधन प्रस्तुत किया है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के नेतृत्व में पूरा विपक्ष इसका विरोध कर रहा है ताकि वे कानून के दायरे में न आएं, जेल से सरकार चलाते रहें और सत्ता से चिपके रहें। राष्ट्र यह भी याद रखता है कि इसी सदन में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी ने 39वें संवैधानिक संशोधन के जरिए प्रधानमंत्री को विशेषाधिकार दे दिया था, जिससे उन पर कोई कानूनी कार्यवाही न हो सके। जहां कांग्रेस की कार्यसंस्कृति और नीति प्रधानमंत्री को कानून से ऊपर रखने की रही है, वहीं भाजपा की नीति अपने प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को कानून के दायरे में लाने की है। अमित शाह ने कहा कि आज सदन में कांग्रेस के एक नेता ने मेरे खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि जब कांग्रेस ने मुझे पूरी तरह झूठे मामले में फंसाकर गिरफ्तार किया था, तब मैंने इस्तीफा नहीं दिया। मैं कांग्रेस को याद दिलाना चाहता हूँ कि मैंने गिरफ्तारी से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। मैंने तब तक कोई संवैधानिक पद नहीं संभाला, जब तक अदालत ने मुझे पूर्णतः बरी नहीं कर दिया। अदालत ने साफ कहा था कि मेरे खिलाफ दर्ज यह झूठा मुकदमा राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित था। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भाजपा और एनडीए हमेशा नैतिक मूल्यों के पक्षधर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी जी ने तो केवल आरोप लगने पर ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। दूसरी ओर कांग्रेस आज भी इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई अनैतिक परंपरा को आगे बढ़ा रही है। लालू प्रसाद यादव को कानून से बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा लाए गए अध्यादेश का विरोध स्वयं राहुल गांधी ने किया था और आज वही राहुल गांधी लालू यादव को पटना के गांधी मैदान में गले लगा रहे हैं। जनता उनके दोहरे व्यवहार को भलीभांति समझती है। यह पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि इस विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए संसद की संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाएगा। इसके बावजूद कांग्रेस के नेतृत्व में पूरा इंडिया गठबंधन बेशर्मी से एकजुट होकर भ्रष्टाचारियों को ढाल देने के लिए इसका विरोध कर रहा है। आज विपक्ष देश की जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुका है।

CHANGE OF NAME

I, VIJAYKUMAR MEGHJI KOTIYA, SON OF MEGHJI JIVA KOTIYA AND **DHANIBEN MEGJI**, RESIDING AT HOUSE NO.3023, KHAJURIYA SHERI, VANAKBARA, DIU - 362570, HAVE CHANGED MY NAME FROM VIJAYKUMAR MEGHJI KOTIYA TO **VIJAYKUMAR MEGJI**. ALSO, MY FATHER'S NAME HAS BEEN CHANGED FROM MEGHJI JIVA KOTIYA TO MEGJI GIVA. HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS VIJAYKUMAR MEGJI, SON OF MEGJI GIVA AND DHANIBEN MEGJI, FOR ALLPURPOSES. ALL CONCERNED AUTHORITIES AND THE GENERAL PUBLIC ARE HEREBY INFORMED.

CHANGE OF NAME

I, RAGHURAM BILLAWA, SON OF NAGO BILLAWA, RESIDING AT B-5/ ALOK CITY, SAYLI, SILVASSA, DADRA AND NAGAR HAVELI DAMAN & DIU - 396230, HEREBY DECLARE THAT MY NAME HAS BEEN RECORDED IN DIFFERENT DOCUMENTS WITH SPELLING VARIATIONS AS "RAGHURAM BILLAVA" AND "RAGHURAM BILLAWA". MY CORRECT AND FULL NAME IS **RAGHURAM BILLAWA**, AS PER MY AADHAAR CARD AND PAN CARD. HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN ONLY AS RAGHURAM BILLAWA. ANY PERSON HAVING ANY OBJECTION MAY NOTIFY THE UNDERSIGNED AT THE ABOVE **ADDRESS** WITHIN 7 DAYS OF THIS NOTICE.
SD/-
RAGHURAM BILLAWA

मध्य प्रदेश के एक ही परिवार के 5 सदस्यों की करंट लगने से मौत

जलगांव, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के एरंडोल तालुका में वरखेड़ी शिवारा में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में शोक पसरा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुँची। एरंडोल तालुका के वरखेड़ी शिवारा में पूरे परिवार की मौत हो गई। पुलिस को शुरुआती जाँच में मिली जानकारी के अनुसार, ये सभी मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं और खेत में काम करने जा रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरखेड़ी गाँव के एक किसान ने अपने खेत को वन्यजीवों से बचाने के लिए उसके चारों ओर तार की बाड़ लगा दी थी और उसमें से बिजली प्रवाहित कर दी थी। पुलिस सूत्रों द्वारा दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मजदूरों ने इस बिजली के प्रवाह पर ध्यान नहीं दिया और बिजली के तार की बाड़ के झटके से पाँच लोगों की मौत हो गई। जिनमें दो 40 वर्षीय महिलाएँ, एक 45 वर्षीय पुरुष, एक छह वर्षीय लड़की और एक आठ वर्षीय लड़का शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

आर्मी चीफ और उनकी पत्नी करेंगे अंगदान, बोले- सैनिक मृत्यु के बाद भी सेवा में खड़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उनकी पत्नी सुनीता द्विवेदी ने मृत्यु के बाद अंगदान करने का संकल्प लिया है। बुधवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में दोनों ने इसकी घोषणा की। इस अवसर पर जनरल द्विवेदी ने कहा, सेना का कर्तव्य देश और समाज के कल्याण को प्राथमिकता देना है। अंगदान इसका एक तरीका है। इससे संदेश जाएगा कि एक सच्चा सैनिक मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा के लिए खड़ा रहता है। कार्यक्रम में बताया गया कि भारत अमेरिका के बाद अंग प्रत्यारोपण में दूसरे स्थान पर है। देश में हर साल करीब 20,000 ऑर्गन ट्रांसप्लांट होते हैं। नेशनल ऑर्गन डोनेशन और एलोकेशन प्रोग्राम में बदलाव किए गए हैं। इसके तहत महिला मरीजों और डोनर परिवार के सदस्यों को प्राथमिकता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी ने युवाओं और सेना के अधिकारियों से अंगदान का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कदम केवल चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए नहीं, बल्कि अंगदान को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अपनी पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण कर लिया है। ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में बुधवार को इसकी टेस्टिंग हुई। यह मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी से लैस है। यानी इसे एक साथ कई टारगेट्स पर लॉन्च किया जा सकता है। इसका पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में हुआ था। अग्नि-5 की रेंज 5000 किमी है। ऐसे में यह मिसाइल पाकिस्तान, चीन, तुर्किये जैसे कई देशों तक मार करने की क्षमता रखती है। मिसाइल 7500 किलोग्राम के बंकर बस्टर वॉरहेड ले जाने और जमीन में 100 मीटर की गहराई तक जाकर दुश्मनों के न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कंट्रोल सेंटर, हथियार स्टोरेज को तबाह कर सकेगी।

मॉस्को ने भारत को रूसी कच्चे तेल पर करीब 5% छूट की पेशकश जारी रखी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मॉस्को ने भारत को रूसी कच्चे तेल पर करीब 5% छूट की पेशकश जारी रखी है, जबकि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर कुल 50% टैरिफ लगा दिया है। रूसी उप-व्यापार प्रतिनिधि एवगेनी ग्रिवा ने नई दिल्ली में कहा कि यह छूट व्यावसायिक आधार पर तय होती है और आमतौर पर पांच प्रतिशत के आसपास रहती है। रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने भी भरोसा जताया कि राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा संबंध मजबूत बने रहेंगे। अमेरिका का तर्क है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और फिर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उत्पाद बेचकर रूस को डॉलर की आपूर्ति करता है। अमेरिकी सलाहकार पीटर नावारो ने तो भारत को ग्लोबल क्लियरिंगहाउस तक करार दिया है। दरअसल अमेरिका ने 1 अगस्त को 25% टैरिफ लगाया था, जिसे 27 अगस्त से और 25% बढ़ाकर कुल 50% कर दिया गया। भारत ने इसे अनुचित और एकतरफा करार दिया है और कहा कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है। नई दिल्ली का कहना है कि अमेरिका और यूरोपीय देश भी रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं लेकिन केवल भारत पर इस तरह का दबाव बनाया जा रहा है। रूस का यह कदम साफ संकेत है कि वह भारत को ऊर्जा साझेदार के रूप में बनाए रखना चाहता है। वहीं अमेरिका-भारत व्यापार तनाव अब केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक रणनीतिक समीकरणों तक पहुंच गया है। यह टकराव वैश्विक राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा भी है, जहां उसे अपनी ऊर्जा जरूरतों और कूटनीतिक संतुलन दोनों को साधना होगा।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
दमन के मगरवाड़ा ग्राम पंचायत में जरी आश्रमशाला में आर.सी.सी. बॉक्स पुलिया का निर्माण।(3rd Call)
टेण्डर ID सं :2025_DAMAN_4398_1
For details please scan | डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
https://ddtenders.gov.in | बोली खुलने की तिथि :30/08/2025
प्रभारी कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., जिल्ला पंचायत, मोटी दमण,
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/709 DATE:-20/08/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
मोटी दमन के पटलारा ग्राम पंचायत में वाचला फलिया पटलारा में मनीषबेन जयेश पटेल की दुकान से गणेश रामू पटेल के घर तक ह्यूम पाइप गटर का निर्माण। (7th Call)
टेण्डर ID सं :2025_DAMAN_4410_1
For details please scan | डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
https://ddtenders.gov.in | बोली खुलने की तिथि :30/08/2025
प्रभारी कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., जिल्ला पंचायत, मोटी दमण,
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/717 DATE:-20/08/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
मोटी दमन के पटलारा ग्राम पंचायत में आयुष्मान भारत के नए भवन तक मकत फलिया मुख्य सड़क पर ह्यूम पाइप गटर का निर्माण।(7th Call)
टेण्डर ID सं :2025_DAMAN_4408_1
For details please scan | डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
https://ddtenders.gov.in | बोली खुलने की तिथि :30/08/2025
प्रभारी कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., जिल्ला पंचायत, मोटी दमण,
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/715 DATE:-20/08/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
पटलारा ग्राम पंचायत, मोटी दमन में पटलारा कोस्टल हाईवे से मार फलिया सामुदायिक भवन तक ह्यूम पाइप गटर का निर्माण।(7th Call)
टेण्डर ID सं :2025_DAMAN_4403_1
For details please scan | डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
https://ddtenders.gov.in | बोली खुलने की तिथि :30/08/2025
प्रभारी कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., जिल्ला पंचायत, मोटी दमण,
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/711 DATE:-20/08/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
आर.सी.सी. पुलिया का निर्माण मोती दमन के पटलारा ग्राम पंचायत में अमृतभाई लल्लूभाई पटेल के घर के पास। (7th Call)
टेण्डर ID सं :2025_DAMAN_4404_1
For details please scan | डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि :30/08/2025
https://ddtenders.gov.in | बोली खुलने की तिथि :30/08/2025
प्रभारी कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., जिल्ला पंचायत, मोटी दमण,
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/712 DATE:-20/08/2025

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्या प्तो असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे– साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों –और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्रक इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित-ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्या प्तो असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे– साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों –और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्रक इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तररदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्चत, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दशार्ता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमजोरी रही है। दशकों तक, झिझक और 'नो गो' क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में 'नो गो' क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है–हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूकबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्ट म का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आजादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तधर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेजी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थरगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली– सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है।

एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिजाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फामेर्सी है, जो वैश्विक टीकों का 60% का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों।

घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वऔपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है। फेसलेस मूल्यांकन की शुरूआत ने प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त बना दिया है।

दिवाली तक लॉन्च किया जाने वाला अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0, दरों को और अधिक तर्कसंगत बनाएगा और अनुपालन को बढ़ावा देगा। 40,000 से ज्यादा अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने, 1,500 से ज्यादा पुराने कानूनों को निरस्त करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के साथ, यह नेहरू के आर्थिक पिंजरे को तोड़ने जैसा है। ये सुधार केवल बैलेंस शीट में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सुधार लाते हैं। 25 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों तक पहुँचकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण - ने कल्याण में जवाबदेही को अंतर्निहित किया है और 25 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला है।

रोजगार पर फोकस को भी केंद्र में लाया गया है। पीएम विकसित भारत रोजगार योजना 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्चर की गई है; नए रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, नए रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, और इस कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 3.5 करोड़ युवा भारतीयों तक पहुँचना है।

महत्वाकांक्षा को वास्त.विकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है–इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्ट म को नया रूप देने के लिए बनाया गया है। इसका अधिदेश जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अर्से से अपेक्षित भी हैः हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना, तथा जटिल कानूनों को सरल, पूवार्नुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना।

15 अगस्त को घोषित सुधार, केवल अगले दिन की सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को - अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करके आधुनिक शक्ति में तब्दील होते हुए देख रही है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

संपादकीय

मखौल न करें

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा की गई प्रेस वार्ता के बाद विपक्षी दलों के गठबंधन इंड़िया इस लड़ाई को आगे ले जाने को तैयार है। वे कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने का विचार कर रहे हैं। गठबंधन का कहना है कि बिहार में मतदाता सूची संशोधन और वोट चोरी के उनके सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं दिया गया। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट को मतदाता सूची में गड़ब़ड़ी न होने का हलफनामा देने को कहा। इसके बाद ही वे हलफनामा देकर इस गड़ब़ड़. का सबूत देंगे। मामले ने तब तूल पकड़ा जब सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता अधिकार के नाम पर बिहार यात्रा चालू कर दी गई। आयोग स्थायी संवैधानिक निकाय है जिसमें पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ही होता था। मगर बाद में दो अन्य आयुक्तों को भी शामिल किया गया। उन्हें आपसी सहमति से विपक्ष के आरोपों का निपटान करते नजर आना चाहिए। इसकी बजाय उसने पहली दफा ऐसा पैंतरा चलने का जोखिम लिया जो आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिह्न लगाता है जैसा कि विपक्षी दलों ने इस प्रेस वार्ता के बाद एक सुर में आयोग को सत्ताधारी दल का प्रवक्ता तक ठहरा दिया। बेशक, आयोग मतदाता पंजीकरण और सूची के लिए जिम्मेदार है परंतु नियमानुसार राजनीतिक दलों को पंजीकरण और दावों के दिए वक्त में सुधारात्मक कदम उठाने का मौका दिया जाता है। चुनाव परिणामों के बाद होने वाले विवादों से संस्थागत विश्वास दरकने का जोखिम बढक्स्ला जा रहा है। संदेह की गुंजाइश दूर की बात है। विपक्ष गंभीर आरोपों को सिद्ध करने में असफल होता है तो यह भी लोकतंत्र का मखौल साबित होगा। सत्ताधारी दल के निर्णयों या तौर-तरीकों पर उंगली उठाने के संवैधानिक अधिकार हमेशा उनके पास सुरक्षित हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं का पारदर्शी नजर आना जरूरी है। खासकर चुनाव आयोग से उम्मीद की जाती है कि शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बगैर भी विश्वास के इस क्षरण को थामने का भरसक प्रयास करे। निःसंदेह वोट का चोरी का आरोप बेहद गंभीर है। उससे भी ज्यादा गंभीर होगा, मुख्य चुनाव आयुक्त का कठघरे में खड़ा होना। यहां सवाल किसी खास शख्स या विचार का नहीं है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर बिला-वजह पड़. रहे कीचड़. के छींटों का है जिस पर सवा अरब देशवासियों का न सिर्फ भविष्य निर्भर है, बल्कि देश की साख का ख्याल भी रखना है।

चिंतन-मनन

नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्रमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्यवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सवार्तीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मयार्दा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है। श्रीरामचरितमानस के श्रीराम सर्वसद्गुण संपन्न मयार्दारक्षक परम आदर्श शिरोमणि होने के साथ ही स्वमहिमा में स्थित महामानव है। ...

आतंकवाद के पीड़ितों निर्दोष लोगों के प्रति स्मृति और श्रद्धांजलि

संजय गोस्वामी

आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21 अगस्त, 2025 को मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह दिन आतंकवाद से प्रभावित लोगों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए समर्पित है। इसे विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन उन लोगों को याद करने और करुणा और लचीलेपन को बढ़ावा देने वाले कार्यों के माध्यम से पीड़ितों का समर्थन करने के लिए मनाया जाता है।26 नवंबर, 2008 को, दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिनमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए। सुरक्षा बलों ने 29 नवंबर, 2008 को हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले को अंजाम दिया था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे। यह हमला 9/11 के बाद सबसे घातक और बेशर्म आतंकवादी घटना थी। तब और अब, दोनों ही समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त है। अपनी पुस्तक, *अवॉइडिंग आमार्गेडनः अमेरिका, इंडिया, एंड पाकिस्तान टू द ब्रिंक एंड बैक* पर काम करते हुए, यह स्पष्ट हो गया कि मुंबई हमले की साजिश में एक तीसरा पक्ष गुप्त रूप से शामिल थाः अल-कायदा। हालाँकि अल-कायदा ने अपनी गतिविधियों को गुप्त रखा, लेकिन उसने लश्कर-ए-तैयबा को हमले की योजना बनाने और लक्ष्य चुनने में मदद की।

26 नवंबर, 2008 को दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। 29 नवंबर, 2008 को सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ लिया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा इस हमले के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे। यह 9/11 के बाद का सबसे घातक और सबसे निर्लज्ज आतंकवादी हमला था। तब और अब, दोनों समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफि या एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस हफ़्ते भारत में उसकी संलिप्तता के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और विशेष रूप से इस ऑपरेशन के लिए पाकिस्तान स्थित इसके शिविरों में प्रशिक्षण लेने की बात कबूल की। उसने इस साज़िश में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया था। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफि ज सईद पाकिस्तान में फरार है और अक्सर भारत, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ सार्वजनिक रूप से वकालत करता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका के साथ संबंध तोड़ने की माँग करता है। अल-कायदा को 2008 के हमले से बड़ी उम्मीदें थीं, उसे उम्मीद थी कि इससे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष छिड़ जाएगा जो अफगानिस्तान में नाटो के अभियानों को बाधित कर सकता है और अल-कायदा पर ड्रोन हमलों में बाधा डाल सकता है। हालाँकि, भारत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीति को चुना, और अंततः खतरा टल गया। सईद के समर्थकों में पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी, आईएसआई शामिल हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम करती हैं। कसाब ने सीधे तौर पर आईएसआई पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उसने प्रशिक्षण और लक्ष्य चयन में मदद की थी। दो पाकिस्तानी प्रवासियों, अमेरिकी डेविड हेडली और कनाडाई तहव्वुर राणा ने भी अमेरिकी अदालतों में स्वीकार किया है कि उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा को मुंबई नरसंहार की योजना बनाने में मदद की थी और आईएसआई ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। दोनों को दोषी ठहराया गया था, और हमले की तैयारी के लिए मुंबई की उनकी टोही यात्राओं का वित्तपोषण आईएसआई ने किया था। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस सप्ताह भारत में उसके अपराधों के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और हमले के लिए पाकिस्तान स्थित उसके शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करने की बात स्वीकार की। उसने इस ऑपरेशन की योजना बनाने में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफिज सईद अभी भी पाकिस्तान में फरार है और बड़ी-बड़ी रैलियों में भारत, अमेरिका और इजराइल की खुलकर आलोचना करता रहता है।

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

ललित गर्ग

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरूआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-'समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना'। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है। समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

संक्षिप्त समाचार

मूसलाधार बारिश से बेहाल पाकिस्तान, 700 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास की सबसे भयंकर मानसूनी बारिश का सामना कर रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जून के अंत से लगातार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक कम से कम 700 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 1,000 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की जानकारी के मुताबिक, 26 जून से अब तक हुई इन आपदाओं में मारे गए लोगों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं शामिल हैं। सभी प्रांतों में खैबर-पख्तूनख्वा (के-पी) सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 390 लोगों की जान गई है। इसमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं।

ट्रम्प बोले- गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए हमास को पूरी तरह खत्म करना होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि गाजा में बचे हुए बंधकों को रिहा कराने के लिए हमास को पूरी तरह खत्म करना होगा। उन्होंने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दिया। ट्रम्प ने कहा कि जितनी जल्दी हमास को खत्म किया जाएगा, सफलता की संभावना उतनी ज्यादा होगी। ट्रम्प ने यह यह भी दावा किया कि उन्होंने पहले सैकड़ों बंधकों को इजराइल और अमेरिका में रिहा करवाया था। ट्रम्प ने जोर देकर कहा- मैं ही था जिसने सिर्फ 6 महीनों में 6 युद्ध खत्म किए। मैं ही था जिसने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को तबाह किया। जीतने के लिए खेलो, या बिल्कुल न खेलो।

ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने मंगलवार सुबह 6 बजे तक 10 चीनी सैन्य विमान और 6 नौसैनिक जहाजों की गतिविधि अपने आसपास दर्ज की। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से दो विमान ताइवान की उत्तरी वायु पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए और मध्य रेखा को पार कर गए। ताइवान ने कहा कि उसकी सेना ने स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी और आवश्यक प्रतिक्रिया दी। हाल के महीनों में चीन ने ताइवान के पास सैन्य गतिविधि तेज की है। ताइवान लगातार कहता रहा है कि ऐसे कदम क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को स्वतंत्र राष्ट्र कहता है। यह गतिविधि दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा रही है।

ब्रिटेन : हमले के बाद भारतीय मूल के चार युवकों पर मुकदमा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में हुए हथियारबंद हमले के मामले में भारतीय मूल के चार युवकों पर हिंसक उपद्रव का आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह बिल्स्टन के आर्बर ड्राइव में धारदार हथियारों से लैस लोगों के बीच झड़प हुई थी। हरदीत सिंह (28), हरप्रीत सिंह (25), मुकेश कुमार (30) और लखविंदर सिंह (26) को वॉल्वरहैम्प्टन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। झड़प में तीन लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से दो को जमानत पर रिहा किया गया है। चारों आरोपियों पर हिंसक उपद्रव, घायल करने और हथियार रखने का आरोप है। पुलिस ने घटनास्थल से एक बंदूक भी बरामद की है।

एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट की हड़ताल अवैध घोषित

कनाडा, एजेंसी। कनाडा औद्योगिक संबंध बोर्ड ने सोमवार को एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट्स की हड़ताल को अवैध घोषित कर दिया। उन्हें काम पर वापस लौटने का भी आदेश दिया। दरअसल, उन्होंने काम पर लौटने और मध्यस्थता के लिए प्रस्तुत होने के पहले के आदेश की अनदेखी की थी। कनाडा की सबसे बड़ी एयरलाइन की हड़ताल सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रही। एअर कनाडा ने रविवार को परिचालन फिर से शुरू करने की योजना स्थगित कर दी थी, क्योंकि यूनियन ने काम पर लौटने के आदेश की अवहेलना की और कहा कि कर्मचारी काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

नॉर्वे के राजकुमार होइबी पर 32 अपराधों में केस दर्ज, इनमें 4 रेप के मामले

लंदन, एजेंसी। नॉर्वे के 28 साल का राजकुमार मारियस बोर्ग होइबी इन दिनों यूरोप में सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसके पीछे जो वजह है, उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। राजकुमार होइबी पर रेप के चार मामलों के साथ-साथ कई यौन हिंसा के भी कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। होइबी यहां की राजकुमारी मेटे-मैरिट के बेटे हैं और राजसिंहासन के उत्तराधिकारी राजकुमार हाकोन के सौतेले बेटे हैं। पिछले एक साल से उनके खिलाफ पुलिस की जांच जारी थी। सोमवार को उन्?हें कोर्ट में पेश किया गया।

राजकुमार ने किए 32 अपराध : बदनाम प्रिंस पर बलात्कार, यौन उत्पीड़न और शारीरिक तौर पर नुकसान पहुंचाने के 32 अपराधों का आरोप हैं। चौंकाने वाले दावों में सेक?स के दौरान रेप का एक मामला, सेक?स के बिना दो मामले, यौन उत्पीड़न के चार मामले और शारीरिक क्षति के दो मामले शामिल हैं। सभी मामलों में, उसने महिलाओं पर सोते समय हमला किया। होइबी पर अपनी पूर्व पार्टनर नोरा हॉकलैंड के साथ दुर्व्यवहार और एक और गर्लफ्रेंड के

साथ हिंसक व्यवहार करने का भी आरोप है।

मामला बेहद गंभीर है

सोमवार को उनके खिलाफ अभियोग पेश करते हुए राज्य अटॉर्नी स्टर्ला हेनरिक्सबो ने कहा, यह मामला बेहद गंभीर है। करीबी संबंधों में रेप और हिंसा बेहद गंभीर अपराध हैं जो पूरी जिंदगी के लिए निशान छोड़ सकते हैं और जीवन को खत?म भी कर सकते हैं।

अभियोजक ने आगे कहा, मारियस बोर्ग होइबी शाही परिवार का सदस्य है, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि उसके साथ उतना हल्का या कठोर बर्ताव किया जाना चाहिए जितना कि इसी मामले के दूसरे दोषियों के साथ होते हैं।

अब होगी 10 साल की सजा

उन्होंने एनआरके को बताया कि जनवरी में छह हफ्ते की सुनवाई के बाद राजकुमार को दस साल की जेल हो सकती है। पिछले साल इस मामले के सामने आने के बाद होइबी को बलात्कार, हिंसा और आपराधिक क्षति के प्रारंभिक आरोपों के साथ बार-बार गिरफ्तार किया गया था। जांचकर्ताओं का कहना है कि सबूतों में टेक्स्ट संदेश, गवाहों के बयान और पुलिस तलाशी से मिली जानकारी शामिल है। सीबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, राजकुमार ने पूछताछ के दौरान पुलिस के साथ सहयोग किया। होइबी की कोई आधिकारिक सार्वजनिक भूमिका नहीं है और उनका जन्म उनकी मां के 2001 में नॉर्वे के शाही परिवार में विवाह से पहले हुआ था।

कैलिफोर्निया में इमिग्रेशन रोक के दौरान गोलीबारी

सैक्रामेण्टो, एजेंसी। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने बताया कि एक संघीय एजेंट ने उस वक्त गोली चलाई जब एक ड्राइवर ने इमिग्रेशन जांच के दौरान कार की खिड़की खोलने से इनकार कर दिया। साथ ही गाड़ी तेजी से भगाकर भाग गया। डीएचएस के मुताबिक, भागते वक्त उस ड्राइवर ने दो सीमा शुल्क और सीमा गश्ती (सीबीपी) एजेंटों को टक्कर मार दी। इसके बाद एक एजेंट ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। एजेंटों को चोट लगी या नहीं, इस बारे में डीएचएस ने कोई जानकारी नहीं दी। डीएचएस ने कहा कि वे एक लक्षित प्रवर्तन अभियान चला रहे थे, लेकिन यह नहीं बताया कि वे उस ड्राइवर को क्यों रोकना चाहते थे।

इमिग्रेशन अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन इनलैंड कोलिशन फॉर इमिग्रेंट जस्टिस के प्रमुख जेवियर हर्नांडेज ने बताया कि उन्होंने ड्राइवर के परिवार से बात की। 43 वर्षिय ड्राइवर मैक्सिको का रहने वाला है। पिछले 23 वर्षों से अमेरिका में रह रहा है, लेकिन उसके पास कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। गाड़ी में उसका 18 साल का बेटा और 23 साल का दामाद भी था, जो अमेरिकी नागरिक हैं।बता दें कि घटना का कुछ हिस्सा वीडियो में रिकॉर्ड हुआ है, जिसमें एजेंटों ने मास्क और पुलिस लिखी वर्दी पहन रखी है। एक एजेंट की टोपी पर सीबीपी लिखा हुआ है। डीएचएस ने बताया कि वे गाड़ी के पास आकर ड्राइवर से खिड़की नीचे करने को कहते हैं, लेकिन वह मना कर देता है।

भारतीय मूल की कृषांगी मेश्राम 21 साल की उम्र में ब्रिटेन की सबसे युवा सॉलिसिटर बनीं

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की विधि स्नातक कृशांगी मेश्राम हाल के वर्षों में इंग्लैंड और वेल्स की सबसे कम उम्र की सॉलिसिटर बन गई हैं। वह 21 वर्ष की हैं। पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ी और वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहीं सुश्री मेश्राम ने 15 वर्ष की आयु में मिल्टन कीन्स स्थित ओपन यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई शुरू की। उन्होंने 18 वर्ष की आयु में कानून में प्रथम श्रेणी ऑनर्स की डिग्री हासिल कर ली। सुश्री मेश्राम ने विश्वविद्यालय को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ÷मैं ओपन यूनिवर्सिटी की बहुत आभारी हूँ कि उसने मुझे 15 साल की उम्र में एलएलबी की पढ़ाई शुरू करने का मौका दिया। अपनी पढ़ाई के दौरान ही मैंने न सिर्फ़ अपने क़ानूनी करियर की अकादमिक नींव रखी, बल्कि क़ानून के प्रति एक गहरा और स्थायी जुनून भी पाया।÷ ओपन यूनिवर्सिटी ने इस सप्ताह के शुरू में ÷लॉ ग्रेजुएट कृशांगी ने एक बार फिर इतिहास रचा÷ शीर्षक से एक फीचर में उनकी उपलब्धि के बारे में बताया।

कृषांगी मेश्राम कौन हैं? : कृषांगी मेश्राम का जन्म पश्चिम बंगाल में हुआ और वे राज्य के इस्कॉन मायापुर समुदाय में पली-बढ़ीं। उन्होंने 15 साल की उम्र में मायापुर के एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की।

इसके बाद, उन्होंने ओपन यूनिवर्सिटी (ओयू) में कानून की डिग्री के लिए दाखिला लिया और तीन साल में अपनी डिग्री पूरी कर ली।

18 साल की उम्र में, उन्होंने प्रथम श्रेणी ऑनर्स डिग्री के साथ लॉ में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, और ओयू लॉ की अब तक की सबसे कम उम्र की स्नातक बन गईं। 2022 में, उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय लॉ फर्म में नौकरी मिल गई।

उन्होंने हार्वर्ड ऑनलाइन में वैश्विक कार्यक्रमों में भी भाग लिया है और सिंगापुर में कार्य करते हुए पेशेवर अनुभव प्राप्त किया है। सुश्री मेश्राम वर्तमान में यूके और यूएई में कानूनी अवसरों की तलाश कर रही हैं। उनकी कानूनी रुचि के क्षेत्रों में फिनटेक, ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वसीयत व प्रोबेट जैसी निजी ग्राहक सेवाएँ शामिल हैं।

वह व्यवसायों और निजी मुवक्किलों के लिए कानूनी सेवाओं में विशेषज्ञता हासिल करना चाहती हैं। उनकी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा यूके या यूएई की अग्रणी कानूनी फर्मों के साथ काम करना है, जहाँ उनका ध्यान उभरती डिजिटल तकनीकों और मुवक्किल-केंद्रित कानूनी सेवाओं पर केंद्रित होगा।

न्यूयॉर्क के बार में फायरिंग, दो बदमाशों समेत तीन की मौत; वर्जिनिया में भी गोलीबारी, दो की जान गई, 3 जख्मी

न्यूयॉर्क / वर्जिनिया, एजेंसी। अमेरिका में रविवार और सोमवार को दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क सिटी और वेस्ट वर्जीनिया में हुई इन घटनाओं में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में हुई वारदात में दो फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है।

न्यूयॉर्क शहर के बार में फायरिंग : न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके के टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज बार में रविवार सुबह हुई फायरिंग में तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें दो हमलावर भी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि 35 वर्षीय जैमेल चाइल्ड्स और 19 वर्षीय मार्विन सेंट लुईस के बीच विवाद हुआ और कुछ देर बाद दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी। दोनों की अस्पताल में मौत हो गई। तीसरा मृतक 27 वर्षीय अमादू डायलो था, जिसे पुलिस ने निर्दोष और वारदात में शिकार स्थानीय बताया है।

वारदात में कुल 14 लोग घायल, कोई गंभीर नहीं : पुलिस के मुताबिक इस वारदात में कुल 14 लोग घायल हुए हैं, हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने बताया कि इस वारदात में शामिल दो अन्य शूटर अभी भी फरार हैं। वहीं पुलिस ने मौके से 42 से ज्यादा खोखे और एक हथियार बरामद किया है। मामले में मेयर एरिक एडम्स और अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने सोमवार को पीड़ितों के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया और लोगों से हिंसा छोड़ने की अपील की।

वेस्ट वर्जीनिया में भी गोलीबारी की वारदात : वहीं दूसरी घटना सोमवार को वेस्ट वर्जीनिया के माउंट कार्बन इलाके में हुई। यहां दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक संदिग्ध हमलावर भी शामिल था। पुलिस ने बताया कि हमलावर अपने घर में मृत मिला और माना जा रहा है कि उसने खुद को गोली मार ली। जबकि पुलिस को पास के कारपोर्ट में एक और व्यक्ति का शव मिला। वहीं तीन अन्य लोग गोली के छर्रे लगने से घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

2007 के गौर नरसंहार की दोबारा जांच करे सरकार, नेपाल की सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2007 के गौर नरसंहार की जांच के लिए सरकार को अनिवार्य आदेश (मैंडमस) जारी किया। यह नेपाल के राजनीतिक इतिहास की सबसे हिंसक घटनाओं में से एक मानी जाती है। जस्टिस तिल प्रसाद श्रेष्ठ और जस्टिस नित्यानंद पांडे की बेंच ने आदेश जारी करते हुए कहा कि हत्याओं से जुड़ी शिकायतों में जिनके नाम शामिल हैं, उनकी जांच जरूर होनी चाहिए।

कोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, त्रिभुवन साह और अन्य ने चार जून 2023 को रौतहट के जिला पुलिस कार्यालय और जिला सरकारी वकील कार्यालय के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। याचिका में गौर नरसंहार की जांच की मांग की गई थी। यह 21 मार्च 2007 को रौतहट जिले के गौर स्थित राइस मिल मैदान में हुई थी, जब उस समय के मधेशी जन अधिकार मंच (एमपीआरएफ) और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। मधेशी जन अधिकार मंच के नेता उपेंद्र यादव थे। इस हिंसा में 27 लोग मारे गए थे और करीब सौ लोग घायल हुए थे।

विभिन्न मानवाधिकार संगठनों की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, मारे गए ज्यादातर लोग माओवादी समर्थक थे। अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा

आदेश के बाद पुलिस ने उपेंद्र यादव और अन्य 113 आरोपियों के खिलाफ मामले की दोबारा जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा तब भड़की जब मधेशी जन अधिकार मंच के समर्थकों ने माओवादियों की ओर से तैयार किया गया मंच तोड़ा। इसके बाद नगरपालिका कार्यालयपास गोली चलने की घटनाएं सामने आई, जिससे दहशत फैल गई और फिर झड़पें और हत्याएं शुरू हो गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कई पीड़ितों को पकड़ा गया, पीटा गया और मार दिया गया। कई लोगों पर धारदार और भारी हथियारों से हमला किया गया। कुछ को जलाया गया और कई शवों को एक मंदिर के आस पास घुमाया गया और फिर मौके पर फेंक दिया गया। आयोग ने इस घटना को पूर्व नियोजित और योजनाबद्ध हिंसा करार दिया और कहा कि इसके लिए मुख्य रूप से मधेशी जन अधिकार मंच के कार्यकर्ता जिम्मेदार थे। इसने यह भी कहा कि जिन लोगों को हिरासत में लिया गया था, उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया। हिरासत में लोगों की हत्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत अपराध है।

एनएचआसी की जांच रिपोर्ट में इस हिंसा के चार प्रमुख कारण बताए गए हैं। पहला- 31 जनवरी 2007 को गौर में माओवादियों की ओर से मंच के समर्थकों और नेताओं पर हमला किया गया, जिससे बदले की भावना पैदा हुई। दूसरा- मंच ने 21 मार्च को कार्यक्रम की पूर्व सूचना दी थी, लेकिन माओवादी संगठन की सहयोगी मधेशी मुक्ति मोर्चा ने उसी स्थान पर दो दिन पहले कार्यक्रम तय कर टकराव की स्थिति बना दी। तीसरा- स्थानीय व्यापार संघ ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की थी और प्रशासन ने भी मौखिक रूप से कार्यक्रम अलग-अलग करने को कहा था, लेकिन माओवादी बैठक में नहीं आए और दोनों पक्षों ने प्रशासन की अपील को नजरअंदाज कर दिया। चौथा- 20 मार्च 2007 को जिला सुरक्षा समिति ने अतिरिक्त सुरक्षा बल की मांग की थी, लेकिन संबधित अधिकारियों ने समय पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं की।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास से घबराए किम जोंग, परमाणु क्षमता के विस्तार की दी धमकी

सिओल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों की आलोचना की। किम ने कहा कि वह अपने परमाणु बलों का तेजी से विस्तार करेंगे, ताकि विरोधियों का मुकाबल कर सकें। यह बयान उन्होंने उस समय दिया, जब वह अपने सबसे आधुनिक युद्धपोत का निरीक्षण कर रहे थे, जिसे परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

किम जोंग ने सोमवार को पश्चिमी बंदरगाह नामपो का उस समय दौरा किया है, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं से बढ़ते खतरों के मद्देनजर अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए वार्षिक ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड शुरू किया। 11 दिन के इस सैन्य अभ्यास में कुल 21 हजार सैनिक शामिल हैं, जिनमें से 18 हजार दक्षिण कोरिया के हैं। इसमें कंप्यूटर-आधारित कमान पोस्ट अभियान और मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं।

उत्तर कोरिया इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों को लंबे समय से आक्रमण की तैयारी बताता आया है। किम इन अभ्यासों को अक्सर अपने सैन्य परीक्षणों और परमाणु कार्यक्रम के विस्तार को

जायज ठहराने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कोरियाई प्रायद्वीप अब भी तकनीकी रूप से युद्ध की स्थिति में है। यह असैन्यीकृत क्षेत्र दो हिस्सों उत्तर और दक्षिण कोरिया में बंटा है।

किम ने जिस युद्धपोत का निरीक्षण किया, उसका नाम चोए ह्योन है। यह 5000 टन वजन युद्धपोत अप्रैल में पहली बार सार्वजनिक किया गया था। किम ने कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास शत्रुता और युद्ध की इच्छा को दर्शाता है। अभ इन सैन्य अभ्यासों में परमाणु तत्व भी शामिल हैं, जिससे उत्तर कोरिया को निर्णायक प्रतिक्रिया देनी होगी। उत्तर कोरिया की सरकारी एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, किम ने कहा कि उत्तर कोरिया के चारों ओर की सुरक्षा स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है और मौजूदा सैन्य सिद्धांतों और अभ्यास में तेज बदलाव और परमाणु क्षमताओं का विस्तार जरूरी हो गया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार ने फिलहाल किम की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनकी सरकार उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने और बातचीत दोबार शुरू करने की इच्छुक रही है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने भी किम के युद्धपोत की क्षमता को लेकर कोई नई जानकारी साझा नहीं की है।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु और मिसाइल हमले की धमकियों का मुकाबला करना है। इस अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हमले की रोकथाम और जवाब देने के लिए प्रशिक्षण शामिल होगा। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-ईरान जैसे हालिया युद्धों से भी सबक लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही अभ्यास में ड्रोन हमलों, जीपीएस बाधाओं और साइबर हमलों से निपटने की रणनीतियां भी शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन में फिलहाल सीजफायर नहीं:ट्रम्प ने मीटिंग रोक पुतिन को फोन किया

यूक्रेन सिक्योरिटी गारंटी के बदले 8 लाख करोड़ के अमेरिकी हथियार खरीदेगा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय लीडर्स के साथ मीटिंग की। इसमें रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बनी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। हालांकि, मीटिंग में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा हुई। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर इस पर काम करेंगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति ऑफिस (क्रेमलिन) ने बताया कि ट्रम्प ने मीटिंग रोककर पुतिन से फोन पर 40 मिनट बात की। इस दौरान पुतिन ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने बताया कि ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन 15 दिन के भीतर जेलेंस्की से मुलाकात को राजी हो गए। मीटिंग के बाद जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि यूक्रेन सुरक्षा गारंटी के बदले यूरोप के पैसों से 90 अरब डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपए) के अमेरिकी हथियार खरीदेगा।

जेलेंस्की ने मेलानिया ट्रम्प को धन्यवाद दिया

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेनी बच्चों के अपहरण का मुद्दा उठाने के लिए ट्रम्प की पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प का धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि, हम उनकी संवेदना और पुतिन को लिखे उनके पत्र के लिए तहे दिल से आभारी हैं। दरअसल, मेलानिया ने पिछले हफ्ते इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए एक लेटर लिखा था। इस लेटर को अलास्का में हुई समिट के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने पुतिन को सौंपा था। व्हाइट हाउस में चर्चा के बाद, यूरोपीय नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और यूक्रेन के बीच सार्थक बातचीत से पहले युद्धविराम होना आवश्यक है।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने एक्स पर लिखा : असली बातचीत केवल उसी मीटिंग में हो सकती है जिसमें यूक्रेन भी भाग ले। ऐसी मीटिंग तभी संभव है जब हथियार थम जाएं। मैंने आज एक बार फिर यह माँग दोहराई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बैठकों के बाद यही बात

कही।रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ अलास्का मीटिंग के बाद ट्रम्प के यूक्रेन में तत्काल युद्ध विराम की आवश्यकता पर दिए गए बयान को पलटना यूरोपीय नेताओं के लिए एक झटका था।

यूक्रेन यूरोप के पैसे से 90 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार खरीदेगा : जेलेंस्की ने बताया कि ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बैठक में यूक्रेन की सुरक्षा के लिए एक योजना पर बात हुई। इसके तहत यूक्रेन यूरोप के पैसे से 90 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार खरीदेगा। जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा का एक और हिस्सा यह होगा कि यूक्रेन ड्रोन बनाएगा, जिनमें से कुछ को अमेरिका खरीदेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा कि यह योजना अभी चर्चा में है और कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि अगले एक हफ्ते या 10 दिनों में इस समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से अगले दो हफ्ते में मुलाकात की हामी भरी है। मर्त्ज ने कहा कि इस मुलाकात की जगह अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस बैठक की अच्छे से तैयारी करनी होगी, लेकिन उन्हें नहीं पता कि पुतिन इसमें शामिल होने की हिम्मत करेंगे या नहीं। यूक्रेन में जिंदगी और मौत का सवाल चल रहा है। अलास्का से वाइट हाउस तक शांति के लिए बैठकें हो रही हैं। सोमवार (18 अगस्त) को वाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की कई प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ पहुंचे। उनका उद्देश्य ट्रंप के साथ बैठक कर युद्ध को रोकने पर चर्चा करना था। लेकिन इन सभी अहम मुद्दों के बीच वाइट हाउस प्रेस कोर में सबसे अधिक चर्चा इस बात पर थी कि क्या इस बार जेलेंस्की सूट पहनेंगे या नहीं।

दरअसल, फरवरी में जब यूक्रेन के युद्धकालीन नेता ओवल ऑफिस गए थे, तब एक अमेरिकी पत्रकार ने बिजनेस सूट के बजाय सैन्य शैली की पोशाक पहनने के लिए उनका मजाक उड़ाया था। उस समय यह सिर्फ उनके ड्रेसिंग सेंस का मजाक लग रहा था, लेकिन कुछ ही मिनटों में इसने तनावपूर्ण माहौल बना दिया था।

उस वक्त ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रूस के आक्रमण के खिलाफ अमेरिकी समर्थन के लिए आभारी न होने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की थी। पूरी दुनिया उस घटना को देख रही थी। एक संप्रभु राष्ट्र, जिसे अमेरिका का मित्र भी माना जाता है, उसके राष्ट्रपति को सार्वजनिक रूप से डांटा गया था। लेकिन छह महीने बाद स्थिति काफी बदल गई थी।

18 अगस्त को वाइट हाउस में जेलेंस्की एक स्मार्ट काली जैकेट और कॉलर वाली काली शर्ट में पहुंचे। ट्रंप ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकता, मुझे यह बहुत पसंद आया। इस पर जेलेंस्की ने जवाब दिया कि मेरे पास यही सबसे अच्छा है।

बता दें कि अमेरिकी पत्रकार ब्रायन ग्लेन ने ट्रंप के साथ बैठक के दौरान जेलेंस्की की ड्रेस की तारीफ की। तब ट्रंप ने बातचीत में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मैंने भी यही कहा था। उन्होंने जेलेंस्की को याद दिलाया कि यही वह व्यक्ति है जिसने पिछली बार आपकी आलोचना की थी।

कुलदीप वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, महाराज फिर शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। महाराज ने केर्न्स में तीन मैच की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे। कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं।

भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं।

पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्करम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (तीन स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) और जोश हेजलवुड (दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) ने महत्वपूर्ण सुधार किया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा 44वें स्थान से 37वें स्थान पर पहुंच गए।

डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की होने के बाद ब्रसेल्स में नहीं खेलेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की करने के बाद भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस प्रतिष्ठित सीरीज के शुक्रवार को बेल्जियम के ब्रसेल्स में होने वाले अंतिम चरण में हिस्सा नहीं लेंगे। डाइमंड लीग की 14 प्रतियोगिताओं में से चार में पुरुष भाला फेंक को जगह मिली है।

नीरज ने सिर्फ दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया लेकिन स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 28 अगस्त को होने वाले डाइमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। इस भारतीय खिलाड़ी ने 16 अगस्त को सिलेसिया चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। भारत के 27 वर्षीय गत विश्व चैंपियन नीरज ने मई में दोहा डाइमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास के साथ 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार किया था लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

उन्होंने इसके बाद जून में 88.16 मीटर के प्रयास से पेरिस डाइमंड लीग का खिताब जीता। ब्रसेल्स चरण के बाद शीर्ष छह खिलाड़ी ज्यूरिख में होने वाले डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह बनाएंगे। नीरज ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक के रूप में खेला था जहां उन्होंने 86.18 मीटर के प्रयास के साथ अपनी मेजबानी में हुआ टूर्नामेंट जीता था।

कुल मिलाकर नीरज ने मौजूदा सत्र में अब तक छह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया जिसमें से चार में उन्होंने खिताब जीता जबकि दो में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा तोक्यो में 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे।

पिछले टी20 विश्वकप के बाद से ही टीम में आये कई बदलाव

–कई दिग्गज खिलाड़ी इस बाहर शामिल नहीं किये गये

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही भारतीय टीम में काफी बदलाव आया है। अब एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें काफी अंतर नजर आया है। टीम में रोहित शर्मा , विराट कोहली से सहित कई खिलाड़ी इस बार नहीं हैं। । भारतीय टीम टीम का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई ने यूएई में नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, इसके बावजूद कई बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। भारतीय टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व खिताब जीता था। रोहित की कप्तानी में भारतीयस टीम ने 17 साल बाद ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि चैंपियन बनने के साथ ही रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारतीय टीम टी20 प्रारूप में बड़े टूर्नामेंट में खेलने उतरेगी, ऐसे में दोनों टीमों की तुलना की जाए तो कई खिलाड़ी भारतीय दल में जगह नहीं बना पाए हैं।

टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में रोहित शर्मा कप्तान थे, जबकि हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाया गया था पर करीब एक साल बाद एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव कप्तान हैं और शुभमन गिल उपकप्तान बनाए गए हैं। बता दें शुभमन पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में थे।

पिछले टी20 विश्व कप और एशिया कप दल की तुलना की जाए, तो विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया है। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी स्क्वॉड में शामिल नहीं है। ऋषभ चोट के कारण टीम से बाहर हैं। जबकि सिराज को आराम दिया गया है। वहीं चहल को हटाया गया हैं, जबकि जायसवाल स्टैंबाय की सूची में हैं। टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने कुल पांच टी20 सीरीज खेली है, जिसमें चार में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की है। रोहित के संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान चुना गया था। हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में आराम दिए जाने के कारण शुभमन गिल ने टीम की कमान संभाली थी।

'संजू सैमसन की जगह खतरे में है': एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम चयन पर बोले अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगले महीने से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 के लिए शुभमन गिल को टीम में शामिल किए जाने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन की प्लेइंग इलेवन में जगह 'थोड़ी खतरे में' है। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया की घोषणा मंगलवार को की गई, जिसमें सूर्यकुमार कप्तानी करेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे, जबकि कई बड़े नाम टीम में नहीं हैं। टीम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई जिसमें टी20 कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी शामिल थे।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एक चयन बैठक के बाद आयोजित की गई थी, जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया भी शामिल थे। अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'मुझे ओरों से भी ज्यादा दुख इस बात का होगा कि आपने उन्हें उप-कप्तान घोषित कर दिया है इसलिए संजू सैमसन की जगह थोड़ी खतरे में है। बात पक्की हो चुकी है। संजू नहीं खेलेंगे क्योंकि शुभमन गिल खेलेंगे। अगर आपको गिल को खिलाना है, तो

आपको उन्हें तीसरे नंबर पर खिलाना होगा, और संजू ओपनिंग करेंगे लेकिन ऐसा भी नहीं होने वाला है।'

सैमसन ने भी अच्छी वापसी की और अभिषेक के साथ भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में एक नया जीवन पाया। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से उन्होंने 31 टी20 मैचों और 30 पारियों में 33.62 की औसत और 157.09 के स्ट्राइक रेट से 908 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

संजू सैमसन की जगह जितेश शर्मा को बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है जिन्होंने टीम इंडिया के लिए टी20आई ओपनर के रूप में लगातार तीन शतक लगाकर अपनी नई पहचान बनाई है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार पिछले साल जनवरी में टी20आई खेला था जिसमें उन्होंने 9 मैचों की 7 पारियों में 14.28 की औसत से 100 रन बनाए थे।

इस साल की शुरुआत में जितेश ने केवल 33 गेंदों पर आठ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से नाबाद 85 रनों की तूफानी पारी खेलकर ऋष्क्र को इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज हासिल करने में मदद की थी जिसमें उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ आठ गेंद शेष रहते 228 रनों के मुश्किल लक्ष्य को हासिल किया था।

विकेटकीपर-बल्लेबाज की तारीफ करते हुए अश्विन ने कहा, 'मैं जितेश शर्मा के लिए बहुत खुश हूं, जितेश शर्मा ने अच्छी जगह हासिल की है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए LSG के खिलाफ एक शानदार पारी खेली और उनके लिए अहम भूमिका निभाई। हमेशा याद रखें, भारत के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर कौन थे? एमएस धोनी और युवराज सिंह, कभी-कभी। फिर हार्दिक पांड्या रहे हैं, इसलिए फिनिशिंग कोई आसान काम नहीं है। आपको फिनिशिंग करने की ताकत होनी चाहिए।'

पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, 'आपको अपनी इच्छानुसार चौके और छक्के लगाने की आदत होनी चाहिए। आपको हिसाब-किताब का राज अपने दिमाग में रखना होगा। आपको चतुर होना चाहिए और हिसाब-किताब करना आना चाहिए। इस लिहाज से जितेश शर्मा ने एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में बहुत मुश्किल परिस्थितियों में भूमिकाएं निभाई हैं। इसलिए मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में प्रवेश करेगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। यदि भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। यदि भारत दूसरे स्थान पर रहता है, तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई में फाइनल होगा जो 28 सितंबर को है।

एडम जम्पा को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगी फटकार

दुबई ।ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को मंगलवार को केर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। जम्पा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते पाया गया, जो' अंतररष्ट्रीय मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लीलता के प्रयोग 'से संबंधित है। इसके अलावा जम्पा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 37वें ओवर में हुई, जब जम्पा ने अपनी गेंद पर मिसफील्ड और ओवरथ्रो के बाद अनुचित भाषा का प्रयोग किया, जिसे स्टंप के माइक्रोफोन पर रिकॉर्ड किया गया और प्रसारित किया गया। जम्पा ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर क्रिस गैफनी और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर डोनोवन कोच ने आरोप लगाए। स्तर 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

पाकिस्तान से मैच के सवाल पर बीसीसीआई मैंनेजर बोले, चयन से जुड़ा सवाल ही पूछें

मुम्बई ।एशिया के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के चयन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता के दौरान एक सवाल से चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर और भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव असहज हो गये। इस पत्रकार ने पूछा कि वर्तमान समय के तनावपूर्व माहौल में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच को खेलेगी या नहीं। ऐसे में अगरकर और सूर्यकुमार जवाब देते इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मीडिया मैनेजर ने कहा, 'रुकिए अभी आप चयन से जुड़ा हुआ कोई सवाल ही पूछ सकते हैं अन्य सवाल नहीं।' गौरतलब है कि एशिया कप में

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर प्रशंसकों का विरोध बढ़ता रहा है। कई लोग इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि जिस प्रकार पाक ने पहलगाल में आतंकी हमला कराया उसको देखते हुए पाक से कोई मैच नहीं खेलना चाहिये। संसद में भी यह मामला उठा है। कई सांसदों ने इस मैच को रद्द करने की मांग की है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय टीम ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसके तहत ही भारत ने पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी अड्डों पर हमले किये थे जिसमें कई आतंकी मारे गये थे। जिसके बाद पाक सेना ने भारत पर ड्रोन हमले किये थे जो भारतीय एयर डिफेंस ने नष्ट कर दिये थे। हाल ही में रिटायर्ड क्रिकेरों की लीग में भी इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से मैच का बहिष्कार किया का।

एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली(एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

FIH हॉकी विश्वकप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट में भारत को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा, उसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाकिस्तान से भिड़ेगा।

इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम की कप्तान करेंगे। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी

भरोसेमंद कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह भी शामिल होंगे, जो रक्षात्मक पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे।

मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह शामिल हैं। आक्रमण की अगुवाई मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह करेंगे, जो विपक्षी डिफेंस को परेशान करने के लिए भरपूर क्षमता प्रदान करेंगे। इस बीच, नीलम संजीव जेस और सेल्वम कार्ति को वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। टीम चयन को लेकर भारतीय पुरुष टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हमने एक अनुभवी टीम चुनी है जो समझती है कि उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करना होता है। एशिया कप हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है, इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी जिनमें धैर्य, लचीलापन और प्रदर्शन करने का हुनर हो। यह चयन हमारी मंशा को दर्शाता है एक ऐसी टीम तैयार करना जो मजबूती से मुकाबला कर सके और हमारे मुख्य उद्देश्य को हासिल कर सके।'

पाकिस्तान की हॉकी टीम एशिया कप के लिए भारत नहीं आएगी, एशियाई हॉकी महासंघ ने की पुष्टि

नई दिल्ली - पाकिस्तान की हॉकी टीम बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से शुरु होने वाले आगामी एशिया कप में भाग लेने के लिए भारत नहीं आएगी। एशियाई हॉकी महासंघ (।।स्न्र) ने मंगलवार को पुष्टि की है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम आगामी एशिया कप 2025 में भाग लेने के लिए भारत नहीं आएगी। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) और AHF दोनों को सूचित कर दिया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसे भारत में टीम भेजना मुश्किल होगा। 29 अगस्त से सात सितंबर तक चलने वाली इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए पाकिस्तान की जगह बंगलादेश को चुना गया है। पाकिस्तान तीन बार एशिया कप हॉकी चैंपियन रहा है जिसने 1982 और 1989 के बीच खेले गए पहले तीन संस्करण जीते हैं। एशिया कप 2025 की चैंपियन टीम को नीदरलैंड और बेल्जियम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले 2026 एफआईएच हॉकी विश्वकप के लिए भी सीधा प्रवेश मिलेगा।

एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड को दिलाई जीत

मैड्रिड ।काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1–0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3–0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक : प्रस्तावित प्रतिबंध से क्रिकेट उद्योग को लग सकता है झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को पेश किए गए 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025' 'वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म' का अंत कर सकता है जिनकी भारतीय खेलों, विशेषकर क्रिकेट के प्रायोजन बाजार में हिस्सेदारी है। इस विधेयक का उद्देश्य तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक को विनियमित करना है जो देश के ई-स्पोर्ट्स जगत के लिए एक सुखद खबर है। लेकिन अरबों डॉलर के 'फैंटेसी गेमिंग' उद्योग के राजस्व में भारी गिरावट देखी जा सकती है जिसमें क्रिकेट के प्रायोजन में बड़ी रकम खर्च करने वाली कंपनियां शामिल हैं।

एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में यह खेल प्रायोजन बाजार को भी प्रभावित कर सकता है जिसमें व्यक्तिगत खिलाड़ियों का प्रायोजन और कबड्डी तथा फुटबॉल जैसे खेलों की फ्रैंचाइजी आधारित घरेलू लीग शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक में एक नियामक संस्था बनाने की बात है जो ई-स्पोर्ट्स, एजुकेशनल गेमिंग, सोशल और कैजुअल गेमिंग और पैसे के वास्तविक लेनदेन की गेमिंग चार विविध क्षेत्रों को देखेगी। दस्तावेज के अनुसार इनमें से 'ऑनलाइन मनी गेम्स' पर प्रतिबंध लगेगा।

'प्रतिबंध' अनुच्छेद के अनुसार : 'कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेम और ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा की पेशकश में सहायता, प्रोत्साहन, प्रेरित करने या अन्यथा इसमें शामिल नहीं होगा।' इसमें कहा गया, 'कोई भी बैंक, वित्तीय संस्थान, या वित्तीय लेनदेन या धन के प्राधिकरण की सुविधा देने वाला कोई अन्य व्यक्ति किसी भी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा के भुगतान के लिए धन के किसी भी लेनदेन या प्राधिकरण में संलग्न नहीं होगा, सहायता नहीं करेगा, प्रेरित नहीं करेगा या अन्यथा सुविधा नहीं देगा।'

सरकार स्पष्ट करती है कि वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं और इसके लिए किसी प्रकार के नियमन की आवश्यकता है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है और भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है।

ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे। माई11 सर्कल ने आईपीएल फैंटेसी गेमिंग अधिकार पांच वर्षों के लिए 625 करोड़ रुपए (लगभग 125 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) में खरीदे। इसके अलावा देश के शीर्ष क्रिकेटरों (पूर्व और वर्तमान) के विभिन्न वास्तविक धन वाले गेमिंग प्लेटफार्म के साथ भारी-भरकम व्यक्तिगत विज्ञापन करार हैं।

इस विषय की गहरी समझ रखने वाले जाने-माने खेल वकील विदुषपत सिंघानिया ने इसके परिणामों को संक्षेप में समझाया। उन्होंने कहा, 'भारत में क्रिकेट बहुत बड़ा है और भारतीय क्रिकेट और उसकी संपत्तियों के लिए प्रायोजकों की कोई कमी नहीं होगी। हालांकि इस विधेयक के कारण व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार सिकुड़ सकता है।' सिंघानिया ने बताया, 'इसके अलावा प्रशंसकों की भागीदारी भी प्रभावित होगी।' हालांकि उन्होंने कहा कि फैंटेसी गेम्स अभी भी 'सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल' पर चल सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'एक 'सब्सक्रिप्शन' शुल्क होगा। मान लीजिए कि आप किसी गेमिंग ऐप के लिए 100 रुपए का भुगतान करते हैं और फैंटेसी गेमिंग में अपने कौशल को देखते हैं। लेकिन वास्तविक धन वाली गेमिंग इस विधेयक के अनुसार प्रतिबंधित है जिसमें पैसे देकर कमाई की जाती है।' इन सभी फैंटेसी गेमिंग ऐप का इतना विशाल राजस्व स्रोत प्रतिबंध के कारण निश्चित रूप से कम हो जाएगा और इसलिए खेल में वापस आने वाला पैसा भी काफी कम हो जाएगा। लेकिन ईस्पोर्ट्स बाजार के लिए यह खुशी की बात है।

ईस्पोर्ट्स ने 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में अपनी शुरुआत की और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति 2027 में रियाद में अपना पहला ईस्पोर्ट ओलंपिक आयोजित करेगी। इस पर अपने विचार साझा करते हुए 'नोडविन

गेमिंग' के सह संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षत राठी कहते हैं, 'ईस्पोर्ट्स को मान्यता देने और बढ़ावा देने का सरकार का इरादा एक उत्साहजनक कदम है। हालांकि इस दृष्टिकोण को वास्तव में साकार करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विधेयक में प्रयुक्त शब्दावली विशेष रूप से ईस्पोर्ट्स, ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन सोशल गेमिंग और ऑनलाइन मनी गेमिंग के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए और समान रूप से समझा जाए।'

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, सुब्रायन की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई

केर्न्स ।दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई है। बुधवार को एक बयान में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने कहा कि केर्न्स में मैच अधिकारियों की रिपोर्ट में सुब्रायन के गेंदबाजी एक्शन की वैधता पर चिंता व्यक्त की गई है। आईसीसी ने कहा, 'सुब्रायन के गेंदबाजी एक्शन की वैधता का पता लगाने के लिए द्बष्टष्ट द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में उनके गेंदबाजी एक्शन का स्वतंत्र मूल्यांकन किया जाएगा।' सुब्रायन ने कैजलिस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 50 ओवर के अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण किया जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 98 रनों के विशाल अंतर से जीता। 31 वर्षीय सुब्रायन ने 10 ओवर फेंके और 46 रन देकर एक विकेट लिया और ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड का विकेट लिया जो क्रीज पर तेजी से दौड़ने की कोशिश में स्टंप आउट हो गए। सुब्रायन ने इसी साल बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए थे और दक्षिण अफ्रीका ने पारी और 236 रनों से जीत हासिल की थी। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वे पहले से ही अपने तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा के बिना खेल रहे हैं, जो दाहिने टखने में सूजन के कारण तीन मैचों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

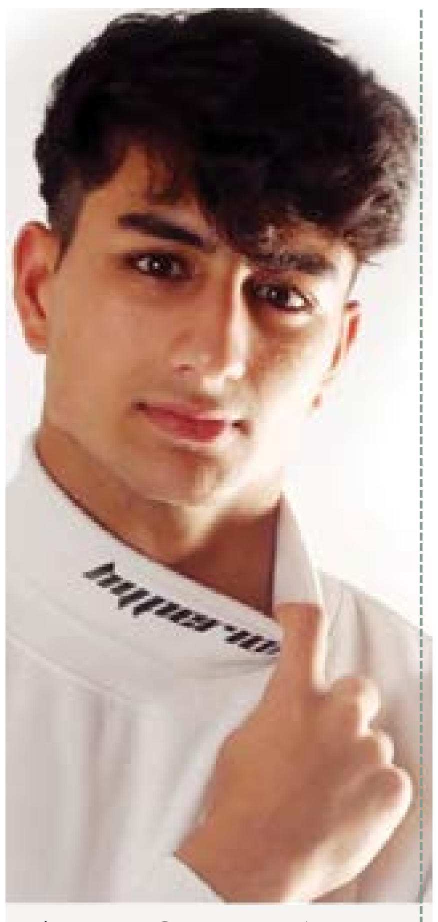

कॉकटेल 2 में हुई कृति सेनन की एंट्री

बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल आने वाला है। साल 2012 में रिलीज हुई इस फिल्म में जहां दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी की तिकड़ी देखने को मिली थी, वहीं अब 'कॉकटेल 2' में नए चेहरों के साथ एक ताज़ा तड़का लगने जा रहा है। इस बार फिल्म की कमान संभाली है निर्देशक होमी अदजानिया ने और सबसे बड़ी खबर ये है कि कृति सेनन इस बार फिल्म की लीड अभिनेत्री होंगी।

होमी अदजानिया ने किया कन्फर्म

हाल ही में निर्देशक होमी अदजानिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कृति सेनन की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने कॉकटेल 2 का हैशटैग यूज़ किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्क इन प्रोग्रेस भी लिखकर इस बात का संकेत दिया कि फिल्म की तैयारियां अब जोरों पर हैं। इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, क्योंकि अभी तक फिल्म से जुड़ी कोई आधिकारिक कास्टिंग अनाउंसमेंट सामने नहीं आई थी। लेकिन अब कृति की फिल्म में एंट्री का ऐलान हो चुका है।

क्या होगी नई कॉकटेल की कहानी?

फिल्म की कहानी को लेकर काफी गोपनीयता बरती जा रही है। हालांकि सूत्रों की मानें तो इस फिल्म में मॉडर्न रिश्तों और आधुनिक प्यार की एक नई परत को उजागर किया जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में होंगे। ये तिकड़ी पहले कभी साथ नहीं दिखी और ऐसे में इन तीनों की केमिस्ट्री दर्शकों के लिए एक नया अनुभव बन सकती है।

शूट से पहले ही रश्मिका ने भी बटोरी सुर्खियां

हाल ही में रश्मिका मंदाना ने भी निर्देशक होमी की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए अपनी एक मजेदार तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने लिखा वर्क इन प्रोग्रेस और चेहरा छिपा रखा था। यह संकेत था कि वो भी इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं, हालांकि उन्होंने इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

फिर शाहिद और कृति की जोड़ी

कृति सेनन और शाहिद कपूर पहले 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में साथ नजर आ चुके हैं और अब इस नई फिल्म में एक बार फिर इनकी जोड़ी दर्शकों को देखने को मिलेगी। पिछली फिल्म में इनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को सराहा गया था, ऐसे में 'कॉकटेल 2' से भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है और इसकी पटकथा लिखी है लव रंजन ने। बताया जा रहा है कि फिल्म साल 2026 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृति के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

कृति के फैंस के लिए यह खबर किसी तोहफे से कम नहीं, क्योंकि वो पहले ही धनुष के साथ 'तेरे इश्क में' और रणवीर सिंह के साथ 'डॉन 3' जैसी बड़ी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। अब 'कॉकटेल 2' उनकी फिल्मी लिस्ट में एक और दमदार नाम जोड़ता है।

मैडॉक फिल्म्स के साथ काम कर रहे हैं इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान के बेटे और अभिनेता इब्राहिम अली खान इन दिनों बहुत व्यस्त चल रहे हैं। उनके पास कई प्रोजेक्ट हैं। हाल ही में उनकी फिल्म सरजमीं रिलीज हुई है। इसके बाद उन्होंने दिलेर पर काम करना शुरू किया है।

अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें नजर आ रहा है कि वह रिकॉर्डिंग स्टूडियो में हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के जरिए अपने फैंस को अपनी अगली फिल्म के बारे में अपडेट दी है। पोस्ट के मुताबिक दिलेर दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही है। इसका निर्देशन कुणाल देशमुख कर रहे हैं। उन्होंने जन्नत और तुम मिले जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

पूरी हो गई दिलेर की शूटिंग

खबरों के मुताबिक दिलेर की शूटिंग इसी साल जनवरी में पूरी हुई है। फिल्म की शूटिंग चंडीगढ़, मुंबई, लंदन और कई दूसरी जगहों पर हुई है। कुणाल देशमुख की पत्नी सोनाली ने फिल्म पूरी होने पर कई तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा दिलेर की शूटिंग पूरी हो गई। बहुत अच्छा सफर था।

श्रीलीला भी आएंगी नजर

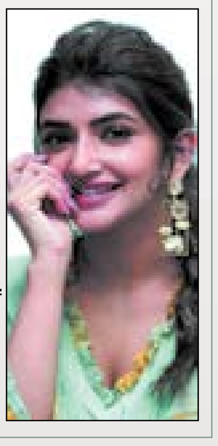

फिल्म में इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसमें उनके साथ लीड रोल में साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला हैं। फिल्म के बारे में बाकी जानकारी को गुप्त रखा गया है।

इब्राहिम अली खान का वर्कफ्रंट

इब्राहिम अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में कायोज ईरानी की फिल्म सरजमीं में नजर आए थे। इसमें उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन ने अभिनय किया है। फिल्म में उन्होंने एक आर्मी अफसर के बेटे का किरदार निभाया है। उन्हें आतंकवादी किडनैप कर लेते हैं और कई वर्षों के बाद छोड़ते हैं।

झांसी की रानी का किरदार निभाकर मुझे एक नया जन्म मिला

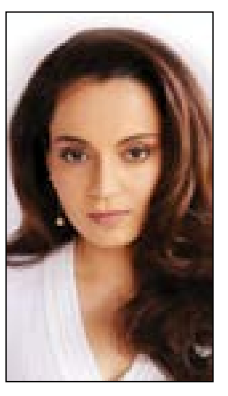

भारतीय जनता पार्टी की सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना ने शिरडी साईं बाबा के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपनी फिल्म मणिकर्णिका – द क्वीन ऑफ झांसी में झांसी की रानी का रोल निभाने को लेकर अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में झांसी की रानी का रोल निभाकर उन्हें एक नया जन्म मिला। वह झांसी की रानी फिल्म से पुनर्जीवित हुईं। फिल्म इंडस्ट्री ने जो मेरी इमेज खराब कर रखी थी, उसमें भी परिवर्तन आया। कंगना रनौत ने आगे कहा कि इस फिल्म के जरिए उन्हें देश और आजादी के संघर्ष के बारे में जानने को मिला। स्कूल में छोटे-छोटे बच्चे झांसी की रानी पर कार्यक्रम करते हैं और झांसी की रानी का किरदार निभाते हैं तो यह देखकर बहुत अच्छा लगता है। हमारी वीरांगनाओं पर और फिल्म बननी चाहिए।

निधि अग्रवाल ने रोमांचक फिल्म की घोषणा के साथ मनाया जन्मदिन

साउथ एक्ट्रेस निधि अग्रवाल ने अपनी कुछ ही फिल्मों से दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर ली है। उनके जन्मदिन पर द राजा साहब के निर्माताओं ने उनका कैरेक्टर पोस्टर जारी कर उन्हें जन्मदिन की खास बधाई दी है।

निर्माताओं ने निधि की खास तस्वीर इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की और कैप्शन में लिखा, उसकी आंखों में राज हैं, उसकी मौजूदगी सिहरन पैदा करती है, पर चेहरा अनदेखा रहता है! इस दशहरा पर, अंधेरे को नाम मिल गया है, उसके खुलासे का इंतजार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्योति क्रिएशन्स ने अपनी पहली फिल्म में निधि को मुख्य भूमिका में लेने की घोषणा की है। इस फिल्म का नाम दशहरा के मौके पर बताया जाएगा। फिल्म के निर्माता पुप्पाला अप्पाला राजू हैं और इसे निखिल कार्तिक एन ने लिखा और निर्देशित किया है।

निधि अग्रवाल एक भारतीय अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने 2017 में मुन्ना माइकल से बॉलीवुड में डेब्यू किया और इसके लिए जी सिने अवॉर्ड जीता। इसके बाद 2018 में तेलुगु फिल्म सव्यसाची और 2021 में तमिल फिल्म ईश्वरन से तेलुगु और तमिल सिनेमा में कदम रखा। निधि जल्द ही प्रभास की फिल्म द राजा साब में नजर आएंगी।

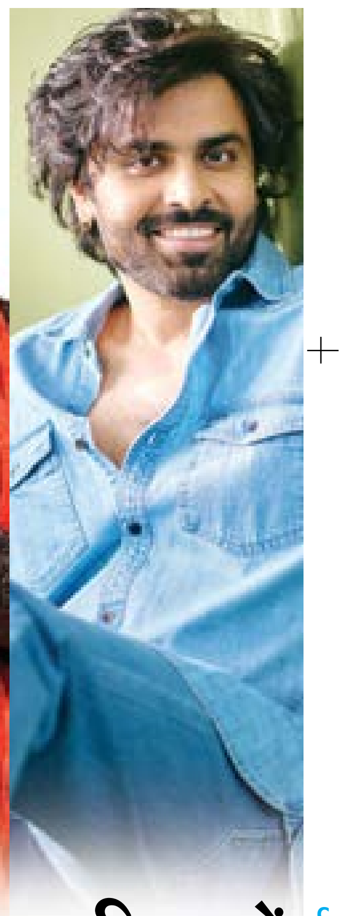

मिर्जापुर द फिल्म में जितेंद्र कुमार के साथ रवि किशन की भी हुई एंट्री

पॉप्युलर वेब सीरीज मिर्जापुर के चौथे सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार रवि किशन और जितेंद्र कुमार भी कलाकारों के साथ जुड़ गए हैं, हालांकि उनके किरदार अभी तक गुप्त रखे गए हैं। मिर्जापुर द फिल्म, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं, 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

पॉप्युलर वेब सीरीज मिर्जापुर के अगले सीजन के लिए सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अब तक तीन सीजन आ चुके हैं और चौथे सीजन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। जहां अली फजल और पंकज त्रिपाठी के किरदारों की धड़पकड़ दर्शकों को एक बार फिर से एंटरटेन करेगी। वहीं, इस बार रवि किशन और जितेंद्र कुमार भी उनका साथ देंगे। हालांकि उनका क्या रोल होगा, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मिर्जापुर द फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया है, जितेंद्र और रवि किशन फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म की मुहूर्त पूजा गुरुवार, 14 अगस्त को हुई और वो दोनों ही इसमें मौजूद थे। उनके किरदारों को फैंस के लिए एक बड़े सरप्राइज के तौर पर रखा जा रहा है। कलाकारों के लुक टेस्ट और रीडिंग सेशन शुरू हो चुके हैं और अगले कुछ दिनों तक जारी रहेंगे। जितेंद्र और रवि भी प्री-प्रोडक्शन के काम में शामिल हो गए हैं। फिल्म अगले महीने फ्लोर पर जाएगी।

पोर्टल ने जब रवि किशन से कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने इस बारे में बात करने से मना कर दिया और जितेंद्र की तरफ से भी कोइ रिएक्शन नहीं मिला। लेकिन पुरानी रिपोर्ट्स में बताया गया था कि जितेंद्र कुमार को विक्रांत मैसी की जगह कास्ट किया गया है और वह लीड रोल में दिखाई देंगे। और बबलू पंडित का रोल निभाएंगे। हालांकि मेकर्स ने कुछ कंफर्म नहीं किया है। 2024 में ही इसके चौथे सीजन की अनाउंसमेंट कर दी गई थी। अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु का एक वीडियो आया था, जिसमें उन्होंने ऐलान किया था।

मिर्जापुर द फिल्म की रिलीज डेट

पुनीत कृष्णा की प्रोड्यूस्ड और गुरमीत सिंह की डायरेक्टेड मिर्जापुर द फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होगी। अमेजन प्राइम वीडियो पर ये पूरे देशभर में देखी जा सकेगी। बताया जा रहा है कि श्वेता त्रिपाठी का इसमें कमबैक हो सकता है, जिनकी तीसरे सीजन में जान जाते हुए दिखाया गया था। साथ ही पंकज त्रिपाठी का वफादार नौकर भी बदला लेने के लिए लौटेगा।

मुझे देशभक्ति विरासत में मिली, मेरे दादा आजादी की लड़ाई में शहीद हो गए थे

फिल्मी खानदान से ताल्लुक रखने वाले फारूक कबीर के लिए इंडस्ट्री में अपनी जमीन तलाशना आसान नहीं था। अल्लाह के बंदे जैसी चर्चित फिल्म से निर्देशक बने फारूक कबीर अशोका और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी में सहायक निर्देशक भी रहे। उन्होंने अवॉर्ड विनिंग डॉक्यूमेंट्री अनहर्ड वॉइसेज ऑफ इंडिया भी बनाई। खुदा हाफिज वन और खुदा हाफिज टू के बाद वह इन दिनों ओटीटी की नई सीरीज सलाकार के कारण चर्चा में हैं।

बचपन से ही फिल्मी माहौल में पले-बढ़े फारूक कबीर अपनी पृष्ठभूमि के बारे में कहते हैं, मैं अपने करियर और जीवन में अपनी मम्मी से काफी प्रभावित रहा हूं। मेरी मम्मी सबीहा कॉस्ट्यूम डिजाइनर हुआ करती थीं लंबे समय तक। शर्मिला टैगोर, पद्मिनी कोल्हापुरे, मीनाक्षी शेषाद्रि, फरहा, तब्बू, नीलम, माधुरी दीक्षित और किमी काटकर जैसी कई एक्ट्रेसेस के लिए वह कॉस्ट्यूम डिजाइन किया करती थीं। मुझे लगा कि मेरी मां अगर इतने साल तक मेहनत करके हमें पाल-पोसकर किसी काबिल बनाती हैं, तो फिर मुझे तो उनके नाम को रोशन करना ही है। यही वजह थी, जो मैंने भी फिल्मी दुनिया को चुना।

फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, अशोका और प्यार इश्क और मोहब्बत जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक रहे फारूक कबीर, उस दौर के अपने अनुभव के बारे में कहते हैं, शाहरुख (खान) भाई से मैंने विनम्रता और कड़ी मेहनत करना सीखी। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे अजीज मिर्जा और संतोष सिवान जैसे फिल्मकारों की सोहबत मिली, जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा। उस वक्त मैं मात्र 18 साल का था। इन फिल्मकारों से मैंने सीखा कि राइटिंग और स्टोरी टेलिंग बहुत जरूरी होती है। इंडिपेंडेंट निर्देशक बनने का सफर काफी मुश्किल रहा सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुके फारूक ने अमेरिका जाकर राइटिंग का डिप्लोमा भी लिया। वह अपने सफर के बारे में कहते हैं, असिस्टेंट डायरेक्टर से इंडिपेंडेंट डायरेक्टर बनने का मेरा सफर आसान नहीं था। मैंने काफी संघर्ष किया, मेरी स्क्रिप्ट को कई बार नकारा गया, मगर मैंने कभी ये नहीं सोचा कि मेरी क्षमता में कोई कमी है। पूरे दस साल बाद आई मेरी खुदा हाफिज और उसके बाद खुदा हाफिज 2...अब हाल ही सीरीज सलाकार आई है, जिसकी कहानी को संजीदगी से कहना जरूरी था। मैंने 6 महीने तक ये स्क्रिप्ट लिखी। ये सीरीज लिखना इसलिए चुनौतीपूर्ण था कि ये एक पीरियड ड्रामा है और 1978 का माहौल दर्शाना आसान नहीं था। हमने इसमें दो टाइमलाइन रखी हैं। एक आज की और एक तब की।

भारत-पाकिस्ताने के मुद्दे पर क्यों होती हैं ज्यादातर भारतीय फिल्में?

मगर हमारी ज्यादातर फिल्में इंडिया-पाकिस्तान के मुद्दे के इर्दगिर्द ही क्यों होती हैं? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, हमारी ये फिल्म इंडिया-पाकिस्तान के बीच हुई सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं, इसमें हमने दो देशों के मुद्दे को जबरन नहीं डाला। ये एक सच्चे जासूस की कहानी है, जहां 1978 के जमाने में देश के लिए लड़ा था। ये भारत के अनसंग हीरोज की कहानी है।

देशभक्ति का पाठ घर में पढ़ाया गया है

फारूक कबीर की फिल्मोग्राफी पर अगर नजर डाली जाए, तो उनका देश भक्ति से ओतप्रोत फिल्मों की ओर ज्यादा झुकाव रहता है। उनकी पिछली फिल्में खुदा हाफिज और खुदा हाफिज 2 भी उसी तर्ज पर थीं और अब सलाकार भी एक देशभक्ति से लबरेज़ स्पाई ड्रामा है। वह कहते हैं, मैं अपनी जमीन को बहुत अच्छे ढंग से जानता हूं। एक जमाने में मैंने एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई थी, जिसमें मैं बाई रोड 27,000 किलोमीटर पूरा इंडिया घूमा था और उसी के बाद मैं अपने देश की मिट्टी ही नहीं, इसके पहलुओं और लोगों को भी बहुत करीब से जान पाया। मेरी उस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का नाम था, अन्हर्ड वॉइसेज ऑफ इंडिया मैंने पाया कि देशभक्ति इंडिया-पाकिस्तान के मैच से कहीं बहुत ज्यादा ऊंची और परे है।

दमण मुस्लिम एसो. के अध्यक्ष हाजी खुर्शीद मांजरा ने पद से दिया इस्तीफा: प्रशासन और मुस्लिम समाज के बीच हमेशा तालमेल बिठाने के लिए उनके कार्यकाल को याद किया जायेगा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 अगस्त। दमण मुस्लिम एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी खुर्शीद मांजरा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एसोसिएशन के महासचिव को भेजे अपने पत्र में खुर्शीद मांजरा ने लिखा है कि मैं विगत 10 वर्षों से दमण मुस्लिम एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में सेवा कर रहा हूँ। इस दौरान मैंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अथक प्रयासों से दमण मुस्लिम समुदाय का नाम न केवल दमण में बल्कि पूरे भारतवर्ष में रोशन किया है। मुझे गर्व है कि हमने समुदाय को एक नई पहचान प्रदान की, जिसे दमण के सभी धर्मों के लोग सम्मान और सराहना के साथ जानते हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सेवा और मानवता के क्षेत्र में किए गए कार्य, विशेष रूप से कोरोना काल में हमारी एकजुटता और सेवाभाव, इस समुदाय की ताकत का प्रतीक रहे हैं। प्रशासन के साथ बनाए गए सौहार्दपूर्ण तालमेल ने भी दमण मुस्लिम समुदाय को सभी मजहबों के बीच एक विशेष स्थान दिलाया है। हालांकि, यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग व्यक्तिगत रूप से किसी एक व्यक्ति को निशाना बनाने में लगे हैं और समुदाय की इस प्रतिष्ठा को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में मैं समझता हूँ कि अब समय आ गया है कि एसोसिएशन को नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिले। इसलिए मैं अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूँ। मैं अपने सभी सहयोगियों, सदस्यों और समुदाय के उन लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मेरे कार्यकाल में मेरा साथ दिया। मेरी शुभकामनाएँ हैं दमण मुस्लिम एसोसिएशन भविष्य में और अधिक प्रगति करे और समुदाय की एकता एवं सम्मान को बनाए रखे। गौरतलब है कि खुर्शीद मांजरा ने मुस्लिम समाज की बागडोर संभालते हुए हमेशा प्रशासन और समाज के बीच अच्छा तालमेल बिठाने का प्रयास किया है। कोरोना काल हो या अन्य आपदा हो खुर्शीद मांजरा ने मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए सामाजिक कामों में बढ-चढकर हिस्सा लिया है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से मुस्लिम समाज के ही कुछ खास तत्वों द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा था। खुर्शीद मांजरा ने इसलिए सामने से अपना इस्तीफा देकर समाज को सौंप दिया है।

पशुपालन, डेयरी और फिशरीज राज्य मंत्री परसोत्तम सोलंकी से दीव के मछुआरों ने की मुलाकात: पाकिस्तान की जेल में बंद मछुआरों की रिहाई के लिए लगाई गुहार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 अगस्त। पाकिस्तान की जेल में बंद दीव के मछुआरों के परिजनों ने पशुपालन, डेयरी और फिशरीज राज्य मंत्री परसोत्तम सोलंकी से मुलाकातकर अपने परिजनों को पाकिस्तान की जेल से रिहा कराने की गुहार लगाई। इस अवसर पर दीव जिला के साथ-साथ गुजरात के माछीमार परिवार भी पशुपालन, डेयरी और फिशरीज राज्य मंत्री परसोत्तम सोलंकी के निवासस्थान पहुंचे थे। मछुआरों के साथ भाजपा के फिशरमैन सेल कन्वीनर छगन बामणिया भी मौजूद रहे। माछीमार परिवार ने राज्य मंत्री परसोत्तम सोलंकी से कहा कि पांच साल से पाकिस्तान की जेल में बंद मछुआरों के साथ न तो कोई पत्र व्यवहार हुआ है और नहीं उनका कोई समाचार मिला है, जिससे हम माछीमार परिवारों में चिंता व्याप्त है। परिवार की महिलाओं ने कहा कि पाकिस्तान की जेल बंद हमारे परिजन किस हाल में है इसकी हमें चिंता सता रही है। माछीमार परिवारों ने पशुपालन, डेयरी और फिशरीज राज्य मंत्री परसोत्तम सोलंकी के समक्ष अपने परिजनों को पाकिस्तान की जेल से जल्द से जल्द रिहा कराने की गुहार लगाई। राज्य मंत्री ने उच्च स्तर पर प्रयास करके मछुआरों को जल्द से जल्द छुडाने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने संबंधित विभाग से टेलिफोनिक चर्चा भी की। इस अवसर पर दिपाबेन एवं अन्य अग्रणी भी उपस्थित रहे।

संघ प्रदेश थ्रीडी में शिक्षा विभाग ने एनईपी 2020 अंतर्गत माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए सिस्टमेटिक लीडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में शिक्षा विभाग ने एनईपी 2020 के अंतर्गत मिडिल स्तर के शिक्षकों के लिए सिस्टमेटिक लीडरशिप कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक छात्रों के समग्र विकास के लिए संवादात्मक शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करेंगे। मिडिल स्तर के शिक्षकों के लिए सिस्टमेटिक नेतृत्व कार्यक्रम के तीन चरण 5 अगस्त से 20 अगस्त 2025 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस तालीम कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के रिसोर्सपर्सन की भूमिका पूरी तरह से मार्गदर्शक और प्रभावी रही। यह कार्यक्रम एनईपी 2020 के उद्देश्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मिडिल स्तर अर्थात कक्षा 6 से 8 तक के सभी शिक्षक शामिल हुए, जिनमें खानवेल और सिलवासा से 489, दमण से 109 और दीव से 54 शिक्षकों ने भाग लिया। सभी बीआरपी और सह-समन्वयकों को करके सीखने के उद्देश्य से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के बाद शिक्षक स्कूलों में अपनी कक्षाओं में बच्चों को इंटरैक्टिव शिक्षा का पाठ पढ़ाएंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि शिक्षा न केवल परीक्षा-उन्मुख हो, बल्कि जीवन-उन्मुख भी हो। सिस्टमेटिक नेतृत्व कार्यक्रम की समग्र योजना और कार्यान्वयन जतिन गोयल, शिक्षा निदेशक दादरा नगर हवेली और दमण-दीव समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन में किया गया था। सिस्टमेटिक नेतृत्व तालीम कार्यक्रम का आयोजन सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय खेरड़ी-खानवेल, स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर सिलवासा, सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय मरवड़-नानी

दमण और बीआरसी भवन-दीव में किया गया। कुल 654 माध्यमिक शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

भारी बारिश की चेतावनी के चलते दीव के मछुआरों को समुद्र में न जाने की दी गई हिदायत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 अगस्त। दीव में मच्छीमारी का व्यवसाय शुरू हो चुका है। वहीं मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश और मौसम खराब होने की चेतावनी के चलते मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है। दीव फिशरीज विभाग की ओर से जारी सूचना में मछुआरों को 22 अगस्त तक समुद्र में मच्छीमारी करने के लिए न जाने का निर्देश दिया गया है। जारी चेतावनी संदेश के चलते सभी बोटें दीव के समुद्र किनारे पार्किंग में पहुंच गई है। वहीं जो बोट समुद्र में है वह भी जल्द ही दीव पहुंच जायेगी।

पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अपनी पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण कर लिया है। ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में बुधवार को इसकी टेस्टिंग हुई। यह मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी से लैस है। यानी इसे एक साथ कई टारगेट्स पर लॉन्च किया जा सकता है। इसका पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में हुआ था। अग्नि-5 की रेंज 5000 किमी है। ऐसे में यह मिसाइल पाकिस्तान, चीन, तुर्किये जैसे कई देशों तक मार करने की क्षमता रखती है। मिसाइल 7500 किलोग्राम के बंकर बस्टर वॉरहेड ले जाने और जमीन में 100 मीटर की गहराई तक जाकर दुश्मनों के न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कंट्रोल सेंटर, हथियार स्टोरेज को तबाह कर सकेगी।

इस मानसूनी बरसात में पहली बार रिवरफ्रंट पर आया दमणगंगा का पानी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 20 अगस्त। दादरा नगर हवेली और उसके आसपास के क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से हो रहे मूसलाधार बरसात के कारण दमणगंगा मधुबन डैम द्वारा बड़े पैमाने पर दमणगंगा नदी में पानी छोड़े जाने से सिलवासा दमणगंगा नदी के किनारे बने रिवरफ्रंट पर इस मानसून में पहली बार पानी आया और रिवरफ्रंट पूरी तरह से डूब गया। जिसके कारण स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा रिवरफ्रंट पर आने जाने पर रोक लगा दी गई और रिवरफ्रंट के किनारे पुलिस की तैनाती कर दी गई जिससे कोई अंदर न जा सके।

ऑनलाइन गेमिंग को रेग्युलेट करने वाला बिल लोकसभा से पास

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑनलाइन गेमिंग को रेग्युलेट करने वाला महत्वपूर्ण बिल लोकसभा से पास हो गया है। इसका मकसद ऑनलाइन मनी गेम्स और सट्टेबाजी पर पूरी तरह से बैन लगाना और ई-स्पोर्ट्स व सोशल गेम्स को बढ़ावा देना है। एक अनुमान के मुताबिक, हर साल करीब 45 करोड़ लोग इन ऑनलाइन मनी गेम्स के चक्कर में फंसकर 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक गंवा देते हैं। केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग से लोगों को हो रहे वित्तीय और सामाजिक नुकसान को रोकने के लिए यह बिल लाई है। इसका नाम प्रमोशन एंड रेग्युलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025 है। सरकारी अनुमानों के मुताबिक, हर साल करीब 45 करोड़ लोग ऑनलाइन मनी गेम्स के जाल में फंसकर नुकसान उठाते हैं। इन गेम्स की लत सिर्फ पैसों का नुकसान ही नहीं बल्कि एक सामाजिक संकट बन चुकी है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि एक अनुमान के अनुसार, इन गेम्स की वजह से आम लोगों को हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है। इसकी लत की वजह से सैकड़ों परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं। कई तो आत्महत्या और हिंसा जैसा गंभीर कदम भी उठा लेते हैं।

सेवेंथ डे स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र की हत्या, गुस्साए लोगों ने स्कूल में की तोड़फोड़

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के खोखरा स्थित सेवेंथ डे स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र पर अन्य विद्यार्थियों ने तीक्ष्ण हथियार से हमला कर दिया। बीते दिन हुई इस घटना के बाद लहूलुहान हालत में पीड़ित विद्यार्थी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र की मौत के बाद हिन्दू समुदाय में आक्रोश भड़क उठा और आज बड़ी संख्या में लोग सेवेंथ डे स्कूल पर जमा हो गए। जहां मृतक छात्र के परिजनों समेत लोगों ने भारी हंगामा किया और स्कूल में तोड़फोड़ भी की। पूरी घटना पर नजर डालें तो कुछ दिन पहले अहमदाबाद के खोखरा क्षेत्र की सेवेंथ डे स्कूल में दो छात्रों के बीच धक्का-मुक्की को लेकर झगड़ा हुआ था। इस झगड़े के बाद भी इन छात्रों के बीच अक्सर झगड़े होते रहे। यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक छात्र ने स्कूल के निकट नयन नामक छात्र के पेट में चाकू घोंप दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल नयन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आज नयन की मौत को लेकर बड़ी संख्या में अभिभावकों ने स्कूल में हंगामा किया और स्टाफ के साथ की। अभिभावकों ने स्कूल की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गुस्साई भीड़ को शांत कराने का काफी प्रयास किया। लेकिन पुलिस के सामने भी भीड़ स्टाफ की पिटाई करती रही। बाद में गुस्साई भीड़ स्कूल के बाहर आ गई और सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। स्कूल के बाहर 2000 से ज़्यादा लोग जमा हो गए और हाय हाय के नारे लगाने लगे। पुलिस ने लाठीचार्ज कर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। इस घटना के बाद मणिनगर विधायक, डीसीपी बलदेव देसाई और एसीपी स्कूल

पहुँचे। इसके साथ ही बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ता भगवा पटका पहने और जय श्री राम के नारे लगाते हुए स्कूल पहुँच गए। इस घटना के बाद अभिभावकों में काफी गुस्सा है। गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को स्कूल में सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन इस घटना ने साबित कर दिया है कि बच्चे यहां सुरक्षित नहीं हैं। कुछ अभिभावकों ने कहा है कि जब बच्चे कोई शिकायत करते हैं, तो शिक्षक उन्हें अनदेखा करने को कहते हैं। अभिभावकों का आरोप है कि जब नयन पर हमला हुआ, तो स्कूल से किसी ने उसकी मदद नहीं की। आठवीं कक्षा का एक छात्र चाकू लेकर स्कूल में कैसे घुस आया, यह एक बड़ा सवाल है। स्कूल का कहना है कि वे बच्चों की रोज़ाना जाँच करते हैं, और हो सकता है कि बच्चे ने चाकू स्कूल के बाहर कार में रखा हो। हालाँकि, आठवीं कक्षा का एक छात्र कार लेकर कैसे आया, यह भी एक बड़ा सवाल है। इस मामले में स्कूल की एडमिन मयूरिका पटेल ने बताया कि कुछ दिन पहले दो छात्रों के बीच धक्का-मुक्की को लेकर झगड़ा हुआ था। छात्र ने इसकी सूचना स्कूल को नहीं दी, बल्कि अपने अभिभावकों को दी। कल हुई घटना स्कूल के बाहर हुई। छात्र पेट पर हाथ रखकर स्कूल आया था और उसे दर्द हो रहा था, लेकिन उसने किसी को कुछ बताया नहीं था। सीसीटीवी कैमरे में दिख रहा है कि बच्चा पेट पकड़े स्कूल आ रहा है। हमलावर छात्र चाकू लेकर स्कूल नहीं आया था, बल्कि हो सकता है कि उसने चाकू बाहर खड़ी किसी गाड़ी में छिपा दिया हो। हमलावर छात्र के खिलाफ पहले भी स्कूल में एक-दो बार शिकायतें स्कूल को मिल चुकी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने हमला करने वाले छात्र को हिरासत में ले लिया है। आरोपी छात्र अहमदाबाद के शाहआलम क्षेत्र का निवासी है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)